



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 152]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 27, 2008/चैत्र 7, 1930

No. 152]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 27, 2008/CHAITRA 7, 1930

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मार्च, 2008

सं. 16/2008-के.उ.शु.

सा.का.नि. 221(अ).—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (टैक्सटाइल और टैक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 39/2001-के.उ.शु. दिनांक 31 जुलाई, 2001 भारत के असाधारण राजपत्र में सा.का.नि. संख्या 565 (अ), दिनांक 31 जुलाई, 2001 में प्रकाशित किया गया था, में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

उपर्युक्त अधिसूचना में, -

(i) प्रस्तावना में 'सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अंतर्गत सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा किए गए शुल्क की राशि के अलावा माल के विनिर्माता द्वारा अदा किए गए शुल्क की राशि शब्दों के लिए 'उपर्युक्त यूनिट द्वारा उक्त माल के विनिर्माण में लिए गए मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(ii) पैराग्राफ 1क, 2 और 2क के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

‘2. इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए ‘मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क’ निम्न तालिका के कॉलम (3) में निर्दिष्ट विवरण के उपरोक्त उत्पाद शुल्कीय माल पर देय कुल शुल्क के प्रतिशत के रूप में और उपरोक्त पहली अनुसूची के अध्याय के अंतर्गत आने वाले जो उपरोक्त तालिका के कॉलम (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में दिए गए हैं, उपर्युक्त तालिका के कॉलम (4) में तत्स्थानी प्रविष्टि में निर्दिष्ट दरों पर परिकलित राशि के बराबर होगा :-

तालिका

क्रमांक	पहली अनुसूची का अध्याय	माल का विवरण	दर
1.	2.	3.	4.
1.	29	सभी माल	29
2.	30	सभी माल	56
3.	33	सभी माल	56
4.	34	सभी माल	38
5.	38	सभी माल	34
6.	39	सभी माल	26
7.	40	टॉयर, ट्यूबस और फलेपस्	41
8.	72 अथवा 73	सभी माल	39
9.	74	सभी माल	15
10.	76	सभी माल	36
11.	85	इलैक्ट्रिक मोटर्स और जनरेटर्स, विद्युत उत्पाद करने वाला सेट और उसके पुर्जे	31
12.	कोई अध्याय	उपर्युक्त मदों के अलावा अन्य कोई मद	36

बशर्ते कि जहां ‘मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क’ उस माह के दौरान सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा की गई राशि के अलावा उपर्युक्त उत्पाद शुल्कीय माल पर निर्माता द्वारा अदा किए गए शुल्क से अधिक होता है, तब ‘मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क’ सेनवेट क्रेडिट के अलावा अदा किए गए शुल्क के बराबर समझा जाएगा ।

2क. उन मामलों में, जहां विनिर्माता द्वारा उत्पादित सभी माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट के लिए पात्र हैं, इस अधिसूचना में उल्लिखित छूट इस शर्त के अधीन होगी कि निर्माता ऐसे माह के दौरान स्वीकृत माल पर शुल्क के भुगतान के लिए विचाराधीन माह के आखिर दिन को उनको उपलब्ध पूरे सेनवेट क्रेडिट का उपयोग करेगा और केवल शेष राशि का भुगतान नकद रूप से करता है ।

2ख. इस अधिसूचना में उल्लिखित छूट निम्नलिखित रूप से प्रभावी होगी अर्थात् :-

(क) निर्माता, इस तालिका में विनिर्दिष्ट माल और इस अधिसूचना के अंतर्गत स्वीकृत माल पर सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा किए गए कुल शुल्क के विवरण सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को, जैसा भी मामला हो, अगले माह की 7 तारीख तक प्रस्तुत करेंगे, जिसमें शुल्क का भुगतान किया गया है ।

(ख) सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, के.उ.शु. जैसा भी मामला होगा, ऐसे सत्यापन के पश्चात् जो कि आवश्यक समझा गया है, उपरोक्त पैराग्राफ (2) में विनिर्दिष्ट पद्धति से परिकलित किए गए मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क निर्माता को उस माह, जिसमें उपर्युक्त पैराग्राफ (क) पर विवरण प्रस्तुत किया गया है, के पश्चात् आने वाले माह की 15 तारीख तक वापिस करेंगे।

2ग. उपर्युक्त उप-पैरा 2ख में उल्लिखित किसी भी बात के होते हुए :-

(क) निर्माता, अपने विकल्प पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क द्वारा जारी किए गए अनुपूरक अनुदेशों के उत्पाद शुल्क नियमावली के संदर्भ में रखे गए उनके चालू खाते में पैराग्राफ 2 में विनिर्धारित पद्धति से परिकलित राशि का क्रेडिट ले सकता है। तदवर्ती महीनों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2004 के नियम 8 के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट तरीके से शुल्क के भुगतान के लिए विनिर्माता द्वारा चालू खाते में क्रेडिट की गई ऐसी राशि का उपयोग किया जा सकता है और ऐसे भुगतान को नकद भुगतान माना जाना चाहिए।

(ख) विचाराधीन माह के बाद तदवर्ती माह की 7 तारीख तक विनिर्माता द्वारा उस के चालू खाते में वापिसी राशि के क्रेडिट को लिया जा सकता है ;

(ग) कोई विनिर्माता जो खण्ड (क) के अन्तर्गत विकल्प लेना चाहता है वह किसी वित्तीय वर्ष में पहली निकासी करने से पहले ऐसे विकल्प को प्राप्त करने के लिए लिखित में अपने विकल्प देगा और ऐसा विकल्प उस के लागू होने की तारीख से प्रभावी होगा और इसे वित्तीय वर्ष के शेष भाग के दौरान वापिस नहीं लिया जा सकेगा ;

(घ) विनिर्माता, जिस महीने में उस ने शुल्क अदा किया है, उसके अगले महीने की सात तारीख तक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक आयुक्त या उपायुक्त को जैसा भी मामला हो क्रमशः उस अधिसूचना के तहत निकासी किए गए तथा सारणी में विनिर्दिष्ट माल की प्रत्येक श्रेणी पर देय कुल शुल्क तथा सेनवेट क्रेडिट का उपयोग करके अदा किए गए या नकद में अदा किए गए शुल्क का एक विवरण प्रस्तुत करेगा;

(ङ.) सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या उपायुक्त केन्द्रीय उत्पादशुल्क, जैसा भी मामला हो, ऐसी जांच पड़ताल के बाद जैसा भी जरूरी समझा जाए, विनिर्माता को सही रूप से वापसी योग्य राशि को निर्धारित करेगा तथा विचाराधीन माह के अगले माह के 15वें दिन तक विनिर्माता को इस के बारे में सूचित करेगा। यदि विनिर्माता द्वारा लिया गया क्रेडिट निर्धारित राशि से अधिक है तो विनिर्माता उक्त सूचना की प्राप्ति के पांच दिन के भीतर उस के द्वारा अनुरक्षित उक्त चालू खाते से उस अधिक क्रेडिट को वापस कर देगा। यदि विनिर्माता द्वारा लिया गया क्रेडिट निर्धारित वापसी की राशि की तुलना में कम है तो विनिर्माता बकाया राशि का क्रेडिट लेने के लिए पात्र होगा ;

(च) यदि विनिर्माता खंड (क) से (ङ.) तक के उपबंधों का अनुपालन करने में विफल रहता है तो वह स्वयं ही अपने चालू खाते में उप-पैराग्राफ 2 में निर्धारित तरीके से परिकलित राशि का क्रेडिट लेने के विकल्प से वंचित हो जाएगा, जैसाकि खण्ड (क) से (ग) में व्यवस्था की गई है ;

(छ) यदि क्रेडिट की राशि अनियमित रूप से प्राप्त की गई है या खंड (ङ.) के तहत सही रूप से निर्धारित की गई वापिसी योग्य राशि से आधिक्य में प्राप्त की गयी है तथा उस खंड में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर विनिर्माता द्वारा प्रतिवर्तित नहीं की गई है, तो यह वसूली योग्य होगी जैसे कि यह त्रुटिपूर्ण रूप से वापिस किए गए उत्पाद शुल्क की वसूली हो। यदि ऐसी अनियमित या अधिक क्रेडिट को उत्पाद शुल्क वस्तुओं की निकासी पर उत्पाद शुल्क के भुगतान के लिए प्रयुक्त किया गया है, तो ऐसे माल को ऐसे अनियमित या अधिक क्रेडिट के उपयोग की सीमा तक शुल्क के भुगतान के बिना निकासी किया गया माना जाना चाहिए।

**स्पष्टीकरण :** इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ, चालू खाते में क्रेडिट की गई राशि के उपयोग द्वारा अदा किए गए शुल्क को सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अन्तर्गत सेनवेट क्रेडिट के उपयोग के अतिरिक्त अन्य तरीके से शुल्क के भुगतान के रूप में लिया जाएगा।

2.1 (1) उपर्युक्त पैराग्राफ 2 में अन्तर्निहित किसी प्रावधान के होते हुए भी, विनिर्माता के पास उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दरों का लाभ न लेने तथा इस अधिसूचना के तहत उस के द्वारा विनिर्मित और निकासी किए गए किसी माल के संबंध में वास्तविक मूल्य वृद्धि का प्रतिनिधित्व करने वाली किसी विशेष दर के निर्धारण हेतु विनिर्माता के ऐसे माल के संबंध में आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादशुल्क, जैसा भी मामला हो, के समक्ष आवेदन करने का विकल्प प्राप्त है, जहां ऐसे माल के संबंध में विनिर्माता यह देखता है कि उक्त माल के उत्पादन या विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्री या संघटकों पर मूल्य परिवर्धन का अनुपात उक्त वस्तुओं के मूल्य के चार बट्टा पाँच भाग की तुलना में उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दर से अधिक (प्रतिशत में अभिव्यक्त) है। उक्त प्रयोजनार्थ, विनिर्माता किसी वित्तीय वर्ष के आरंभ होने के साठ दिनों के भीतर माल के उत्पादन या विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों या संघटकों के अनुपात सहित सभी प्रासंगिक तथ्यों को बताते हुए ऐसी विशेष दर के निर्धारण हेतु आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, को लिखित में आवेदन प्रस्तुत करेगा ;

बशर्ते कि आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, यदि वे इस बात से संतुष्ट हैं कि विनिर्माता को उक्त समय के भीतर पर्याप्त कारणों से आवेदन करने से रोका गया था, तो वे ऐसे विनिर्माता को तीस दिनों की और अवधि के भीतर ऐसा आवेदन करने के लिए अनुमति प्रदान कर सकते हैं ;

बशर्ते यह भी कि विनिर्माता अपने सांविधि लेखा परीक्षक से प्रमाणपत्र द्वारा किसी विशेष दर के लिए अपने दावे का समर्थन कर सकता है, जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष के लिए युनिट की लेखा परीक्षित बैलेंसशीट पर के आधार पर, उस माल के मामले में, जिसके लिए दावा किया गया है, मूल्य परिवर्धन का अनुमान अन्तर्निहित है।

(2) उपर्युक्त के संबंध में आवेदन की प्राप्ति पर आयुक्त, केन्द्रीय उत्पादशुल्क या आयुक्त सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, ऐसी जांच पड़ताल करने या किए जाने के लिए प्रेरित करने के बाद, जैसा भी वे उचित समझें, ऐसे आवेदन के छह महीने की अवधि के भीतर विशेष दर के निर्धारण की अनुमति प्रदान कर सकते हैं।

(3) जहां विनिर्माता यह इच्छा रखता है कि विशिष्ट दर निर्धारित किए जाने तक उसे अस्थायी रूप से वापसी स्वीकृत की जाए, वहां वह आवेदन करते समय, कॉलम (3) में विनिर्दिष्ट तथा उक्त पहली अनुसूची के अध्याय में आने वाले माल के विवरण जैसा कि उक्त सारणी के कॉलम (2) में तदनुसूची प्रविष्टि में निहित है, के लिए उपर्युक्त पैराग्राफ 2 क में सारणी के कॉलम (4) में निर्दिष्टित दर पर अस्थायी वापसी की मंजूरी के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, को लिखित में आवेदन कर सकता है, तथा विशिष्ट दर को अंतिम रूप दिए जाने पर ऐसी विशिष्ट दर के निर्धारण के आगामी माह में विनिर्माता को स्वीकार्य परवर्ती वापसियों में आवश्यक समायोजन किए जाएं ;

(4) जहां केन्द्र सरकार इसे ऐसा करना आवश्यक समझती हो, वहां वह

(क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, के द्वारा उपर्युक्त उप-पैराग्राफ (2) के तहत निर्धारित वापसी की राशि अथवा विशिष्ट दर को लागू कर सकती है ; अथवा

(ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, को इस तरह निर्धारित किए गए दर को वापस लेने के लिए निदेश दे सकती है ।

स्पष्टीकरण : इस पैराग्राफ के प्रयोजनार्थ, किसी माल के संबंध में मूल्य संबंधन को निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के वित्तीय अभिलेखों के आधार पर आकलित किया जाएगा ;

- (i) माल पर प्रदत्त कथित माल का बिक्री मूल्य जिसमें उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर तथा अन्य अप्रत्यक्ष कर, यदि कोई हों, शामिल न हो ;
- (ii) घटा : उपभुक्त माल में से कच्ची सामग्रियों एवं पैकिंग सामग्रियों की लागत ;
- (iii) घटा : उपभुक्त ईंधन की लागत, यदि सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के तहत निवेश क्रेडिट के लिए पात्र हो ;
- (iv) जमा : सम्पत्ति इकाई की सूची के रूप में प्राप्य कथित माल का मूल्य जो वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर समाशोधित न हो ;
- (v) घटा : सम्पत्ति सूची के रूप में उपलब्ध कथित माल का मूल्य परन्तु जो उस विचाराधीन पूर्ववर्ती वर्ष की समाप्ति पर समाशोधित न हो ।

विशिष्ट दर उक्त माल पर वास्तविक मूल्य परिवर्धन तथा कथित माल का बिक्री मूल्य जिसमें उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर तथा अन्य अप्रत्यक्ष कर, यदि कोई हों, शामिल न हो, का अनुपात होगा ।

(5) विनिर्माता, उस तारीख से जिस तारीख का उपर्युक्त आवेदन आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क के सामने जैसा भी मामला हो, को दावा दायर किया गया था ; उसके द्वारा तैयार किए गए तथा निकासित उत्पाद शुल्कीय माल की समस्त निकासियों के संबंध में इस तरह निर्धारित विशेष दर पर वापसी का हकदार होगा ।

(6) जहां किसी विशिष्ट दर को इस तरह निर्धारित किया जाता है, वहां उस माह में देय वापसी इस तरह निर्धारित किए गए दर पर ऐसे उत्पाद शुल्कीय माल पर देय कुल शुल्क के प्रतिशत के रूप में आकलित राशि के बराबर होगी ;

बशर्ते कि वापसी, सेनवेट क्रेडिट के उपयोग से भिन्न ऐसे माल पर प्रदत्त शुल्क राशि से अधिक नहीं होगी ।

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2008 से प्रभावी होगी ।

[फा. सं. 334/1/2008-टी.आर.यू.]

एस. बजाज, अवर सचिव

**टिप्पणी :**—मूल अधिसूचना सं. 39/2001- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 31 जुलाई, 2001 को भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 31 जुलाई, 2001 की सा. का. नि. सं. 565 (अ) के तहत प्रकाशित किया गया था और उसमें अंतिम संशोधन भारत के राजपत्र, असाधारण की अधिसूचना सं० 55/2004-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 9 नवम्बर, 2004 के सा.का.नि. 742 (अ), तारीख 9 नवम्बर, 2004 द्वारा किया गया था ।

**MINISTRY OF FINANCE**

(Department of Revenue)

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 27th March, 2008

**No. 16/2008-Central Excise**

**G.S.R. 221(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textile and Textile Articles) Act, 1978, (40 of 1978) the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 39/2001-Central Excise, dated the 31<sup>st</sup> July, 2001 which was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 565 (E) dated the 31<sup>st</sup> of July, 2001 namely:-

In the said notification,-

- I. In the preamble, for the words and figures, "to the amount of duty paid by the manufacturer of the goods other than the amount of duty paid by utilization of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2001", the words "to the duty payable on value addition undertaken in the manufacture of the said goods by the said unit" shall be substituted;
  - II. for paragraphs 1A, 2 and 2A, the following shall be substituted, namely:-
2. The duty payable on value addition shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on the said excisable goods of the description specified in column (3) of the Table below (hereinafter referred to as the said Table) and falling within the Chapter of the said First Schedule as are given in the corresponding entry in column (2) of the said Table, at the rates specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table:

**TABLE**

S.No.	Chapter of the First Schedule	Description of goods	Rate
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	29	All goods	29

2.	30	All goods	56
3.	33	All goods	56
4.	34	All goods	38
5.	38	All goods	34
6.	39	All goods	26
7.	40	Tyres, tubes and flaps	41
8.	72 or 73	All goods	39
9.	74	All goods	15
10.	76	All goods	36
11.	85	Electric motors and generators, electric generating sets and parts thereof	31
12.	Any chapter	Goods other than those mentioned above	36:

Provided that where the duty payable on value addition exceeds the duty paid by the manufacturer on the said excisable goods, other than the amount paid by utilization of CENVAT credit during the month, the duty payable on value addition, shall be deemed to be equal to the duty so paid other than by CENVAT credit.

2A In cases where all the goods produced by a manufacturer are eligible for exemption under this notification, the exemption contained in this notification shall be subject to the condition that the manufacturer first utilizes whole of the CENVAT credit available to him on the last day of the month under consideration for payment of duty on goods cleared during such month and pays only the balance amount in cash.

2B The exemption contained in this notification shall be given effect to in the following manner, namely:-

(a) the manufacturer shall submit a statement of the total duty paid and that paid by utilization of CENVAT credit, on each category of goods specified in the said Table and cleared under this notification, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 7<sup>th</sup> of the next month in which the duty has been paid;

(b) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification as may be deemed necessary, shall refund the duty payable on value addition, computed in the manner as specified in paragraph 2 to the manufacturer by the 15<sup>th</sup> of the month following the one in which the statement as at clause (a) above has been submitted.

2C Notwithstanding anything contained in sub-paragraph 2B above,-

- (a) the manufacturer at his own option, may take credit of the amount calculated in the manner specified in paragraph 2 in his account current, maintained in terms of the Excise Manual of Supplementary Instructions issued by the Central Board of Excise and Customs. Such amount credited in the account current may be utilized by the manufacturer for payment of duty, in the manner specified under rule 8 of the Central Excise Rules, 2004, in subsequent months, and such payment shall be deemed to be payment in cash;
- (b) the credit of the refund amount may be taken by the manufacturer in his account current, by the 7<sup>th</sup> of the month following the month under consideration;
- (c) a manufacturer who intends to avail the option under clause (a) shall exercise his option in writing for availing such option before effecting the first clearance in any financial year and such option shall be effective from the date of exercise of the option and shall not be withdrawn during the remaining part of the financial year;
- (d) the manufacturer shall submit a statement of the total duty payable as well as the duty paid by utilization of CENVAT credit or otherwise and the credit taken as per clause (a), on each category of goods manufactured and cleared under the notification and specified in the said Table, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 15<sup>th</sup> of the month in which the credit has been so taken;
- (e) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification, as may be deemed necessary, shall determine the amount correctly refundable to the manufacturer and intimate to the manufacturer by the 15<sup>th</sup> day of the next month to the month in which the statement under clause (d) has been submitted. In case the credit taken by the manufacturer is in excess of the amount determined, the manufacturer shall, within five days from the receipt of the intimation, reverse the said excess credit from the account current maintained by him. In case, the credit taken by the manufacturer is less than the amount of refund determined, the manufacturer shall be eligible to take credit of the balance amount;



(f) in case the manufacturer fails to comply with the provisions of clauses (a) to (e), he shall forfeit the option, to take credit of the amount calculated in the manner specified in subparagraph 2 in his account current on his own, as provided for in clauses (a) to (c);

(g) the amount of the credit availed irregularly or availed of in excess of the amount determined correctly refundable under clause (e) and not reversed by the manufacturer within the period specified therein, shall be recoverable as if it is a recovery of duty of excise erroneously refunded. In case such irregular or excess credit is utilised for payment of excise duty on clearances of excisable goods, the said goods shall be considered to have been cleared without payment of duty to the extent of utilisation of such irregular or excess credit.

*Explanation.*—For the purposes of this paragraph, duty paid by utilisation of the amount credited in the account current, shall be taken as payment of duty by way other than utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2004.

- 2.1 (1) Notwithstanding anything contained in paragraph 2, the manufacturer shall have the option not to avail the rates specified in the said Table and apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, having jurisdiction over the manufacturing unit of the manufacturer for fixation of a special rate representing the actual value addition in respect of any goods manufactured and cleared under this notification, if the manufacturer finds that four-fifths of the ratio of actual value addition in the production or manufacture of the said goods to the value of the said goods, is more than the rate specified in the said Table expressed as a percentage. For the said purpose, the manufacturer may, within sixty days from the beginning of a financial year, make an application in writing to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, for determination of such special rate, stating all relevant facts including the proportion in which the materials or components are used in the production or manufacture of goods:

Provided that the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise may, if he is satisfied that the manufacturer was prevented by sufficient cause from making the application within the aforesaid time, allow such manufacturer to make the application within a further period of thirty days:

Provided further that the manufacturer supports his claim for a special rate with a certificate from his statutory auditor containing an estimate of value addition in the case of goods for which a claim is made, based on the audited balance sheet of the unit, for the preceding financial year;

(2) On receipt of the application referred to in sub-paragraph (1), the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, after making or causing to be made such inquiry as he deems fit, shall fix the special rate within a period of six months of such application;

(3) Where the manufacturer desires that he may be granted refund provisionally till the time the special rate is fixed, he may, while making the application, apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, in writing for grant of provisional refund at the rate specified in column (4) of the said Table for the goods of description specified in column (3) of the said Table and falling in Chapter of the First Schedule of the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) as in corresponding entry in column (2) of the said Table, and on finalization of the special rate, necessary adjustments be made in the subsequent refunds admissible to the manufacturer in the month following the fixation of such special rate.

(4) Where the Central Government considers it necessary so to do, it may—

(a) revoke the special rate or amount of refund as determined under sub-paragraph (2) by the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, or

(b) direct the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, to withdraw the rate so fixed.

*Explanation:* For the purpose of this paragraph, the actual value addition in respect of said goods shall be calculated on the basis of the financial records of the preceding financial year, taking into account the following:

- (i) Sale value of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods;
- (ii) Less: Cost of raw materials and packing material consumed in the said goods;
- (iii) Less: Cost of fuel consumed if eligible for input credit under CENVAT Credit Rules, 2004;
- (iv) Plus: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year;

- (v) Less: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year preceding that under consideration.

Special rate would be the ratio of actual value addition in the production or manufacture of the said goods to the sale value of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods.

(5) The manufacturer shall be entitled to refund at the special rate fixed under sub-paragraph (2) in respect of all clearances of excisable goods manufactured and cleared under this notification with effect from the date on which the application referred to at sub-paragraph (1) was filed with the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Central Excise and Customs, as the case may be.

(6) Where a special rate is fixed under sub-paragraph (2), the refund payable in a month shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on such excisable goods, at the rate so fixed:

Provided that the refund shall not exceed the amount of duty paid on such goods, other than by utilization of CENVAT credit.

2. This notification shall come into force with effect from the 1<sup>st</sup> day of April, 2008.

[F.No.334/1/2008-TRU]

S. BAJAJ, Under Secy.

**Note:—**The principal notification No. 39/2001-Central Excise, dated 31<sup>st</sup> July, 2001 was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 565(E), dated the 31<sup>st</sup> July, 2001 and was last amended vide notification no.55/2004-Central Excise, dated 9<sup>th</sup> November, 2004 published vide number G.S.R. 742(E), dated the 9<sup>th</sup> November, 2004.

#### अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मार्च, 2008

सं. 17/2008-के.उ.शु.

**सा.का.नि. 222(अ).—**केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (टैक्सटाइल और टैक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 32/99-के.उ.शु. दिनांक 8 जुलाई, 1999 जो भारत के असाधारण राजपत्र में सा.का.नि. संख्या 508 (अ), दिनांक 8 जुलाई, 1999 में प्रकाशित किया गया था, में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

उपर्युक्त अधिसूचना में, -

(i) प्रस्तावना में 'सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अंतर्गत सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा किए गए शुल्क की राशि के अलावा माल के विनिर्माता द्वारा अदा किए गए शुल्क की राशि शब्दों के लिए 'उपर्युक्त यूनिट द्वारा उक्त माल के विनिर्माण में लिए गए मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(ii) पैराग्राफ 1क, 2 और 2क के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात :-

'2क. इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' निम्न तालिका के कॉलम (3) में निर्दिष्ट विवरण के उपरोक्त उत्पाद शुल्कीय माल पर देय कुल शुल्क के प्रतिशत के रूप में और उपरोक्त पहली अनुसूची के अध्याय के अंतर्गत आने वाले जो उपरोक्त तालिका के कॉलम (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में दिए गए हैं, उपर्युक्त तालिका के कॉलम (4) में तत्स्थानी प्रविष्टि में निर्दिष्ट दरों पर परिकलित राशि के बराबर होगा :-

तालिका

क्रमांक	पहली अनुसूची का अध्याय	माल का विवरण	दर
1.	2.	3.	4.
1.	29	सभी माल	4.
2.	30	सभी माल	29
3.	33	सभी माल	56
4.	34	सभी माल	56
5.	38	सभी माल	38
6.	39	सभी माल	34
7.	40	टॉयर, ट्यूबस और फ्लेपस्	26
8.	72 अथवा 73	सभी माल	41
9.	74	सभी माल	39
10.	76	सभी माल	15
11.	85	इलेक्ट्रिक मोटर्स और जनरेटर्स, विद्युत उत्पाद करने वाला सेट और उसके पुर्जे	36
12.	कोई अध्याय	उपर्युक्त मदों के अलावा अन्य कोई मद	31

बशर्ते कि जहां 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' उस माह के दौरान सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा की गई राशि के अलावा उपर्युक्त उत्पाद शुल्कीय माल पर निर्माता द्वारा अदा किए गए शुल्क से अधिक होता है, तब 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' सेनवेट क्रेडिट के अलावा अदा किए गए शुल्क के बराबर समझा जाएगा ।

2ख. उन मामलों में, जहां विनिर्माता द्वारा उत्पादित सभी माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट के लिए पात्र हैं, इस अधिसूचना में उल्लिखित छूट इस शर्त के अधीन होगी कि निर्माता ऐसे माह के दौरान स्वीकृत माल पर शुल्क के भुगतान के लिए विचाराधीन माह के आखिर दिन को उनको उपलब्ध पूरे सेनवेट क्रेडिट का उपयोग करेगा और केवल शेष राशि का भुगतान नकद रूप से करता है ।

2ग. इस अधिसूचना में उल्लिखित छूट निम्नलिखित रूप से प्रभावी होगी अर्थात् :-

(क) निर्माता, इस तालिका में विनिर्दिष्ट माल और इस अधिसूचना के अन्तर्गत स्वीकृत माल पर सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा किए गए कुल शुल्क के विवरण सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को, जैसा भी मामला हो, अगले माह की 7 तारीख तक प्रस्तुत करेंगे, जिसमें शुल्क का भुगतान किया गया है।

(ख) सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, के.उ.शु. जैसा भी मामला होगा, ऐसे सत्यापन के पश्चात् जो कि आवश्यक समझा गया है, उपरोक्त पैराग्राफ (2) में विनिर्दिष्ट पद्धति से परिकलित किए गए मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क निर्माता को उस माह, जिसमें उपर्युक्त पैराग्राफ (क) पर विवरण प्रस्तुत किया गया है, के पश्चात् आने वाले माह की 15 तारीख तक वापिस करेंगे।

2घ. उपर्युक्त उप-पैरा 2ग में उल्लिखित किसी भी बात के होते हुए :-

(क) निर्माता, अपने विकल्प पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क द्वारा जारी किए गए अनुपूरक अनुदेशों के उत्पाद शुल्क नियमावली के संदर्भ में रखे गए उनके चालू खाते में पैराग्राफ 2 क में विनिर्धारित पद्धति से परिकलित राशि का क्रेडिट ले सकता है। तदवर्ती महीनों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2004 के नियम 8 के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट तरीके से शुल्क के भुगतान के लिए विनिर्माता द्वारा चालू खाते में क्रेडिट की गई ऐसी राशि का उपयोग किया जा सकता है और ऐसे भुगतान को नकद भुगतान माना जाना चाहिए।

(ख) विचाराधीन माह के बाद तदवर्ती माह की 7 तारीख तक विनिर्माता द्वारा उस के चालू खाते में वापसी राशि के क्रेडिट को लिया जा सकता है ;

(ग) कोई विनिर्माता जो खण्ड (क) के अन्तर्गत विकल्प लेना चाहता है वह किसी वित्तीय वर्ष में पहली निकासी करने से पहले ऐसे विकल्प को प्राप्त करने के लिए लिखित में अपने विकल्प देगा और ऐसा विकल्प उस के लागू होने की तारीख से प्रभावी होगा और इसे वित्तीय वर्ष के शेष भाग के दौरान वापिस नहीं लिया जा सकेगा ;

(घ) विनिर्माता, जिस महीने में उस ने परिकलित राशि का क्रेडिट लिया है, उसी महीने की 15 तारीख तक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक आयुक्त या उपायुक्त को जैसा भी मामला हो क्रमशः उस अधिसूचना के तहत निकासी किए गए तथा सारणी में विनिर्दिष्ट माल की प्रत्येक श्रेणी पर देय कुल शुल्क तथा सेनवेट क्रेडिट का उपयोग करके अदा किए गए या अन्यथा अदा किए गए शुल्क और खंड (क) के तहत लिये गए क्रेडिट का एक विवरण प्रस्तुत करेगा;

(ङ.) सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या उपायुक्त केन्द्रीय उत्पादशुल्क, जैसा भी मामला हो, ऐसी जांच पड़ताल के बाद जैसा भी जरूरी समझा जाए, विनिर्माता को सही रूप से वापसी योग्य राशि को निर्धारित करेगा तथा खंड (घ) के तहत दिये गए विवरण वाले माह के अगले माह के 15वें दिन तक विनिर्माता को इस के बारे में सूचित करेगा। यदि विनिर्माता द्वारा लिया गया क्रेडिट निर्धारित राशि से अधिक है तो विनिर्माता उक्त सूचना की प्राप्ति के पांच दिन के भीतर उस के द्वारा अनुरक्षित उक्त चालू खाते से उस अधिक क्रेडिट को वापस कर देगा। यदि, विनिर्माता द्वारा लिया गया क्रेडिट निर्धारित वापसी की राशि की तुलना में कम है तो विनिर्माता बकाया राशि का क्रेडिट लेने के लिए पात्र होगा ;

(च) यदि विनिर्माता खंड (क) से (ड.) तक के उपबंधों का अनुपालन करने में विफल रहता है तो वह स्वयं ही अपने चालू खाते में उप-पैराग्राफ 2 क में निर्धारित तरीके से परिकल्पित राशि का क्रेडिट लेने के विकल्प से वंचित हो जाएगा, जैसाकि खण्ड (क) से (ग) में व्यवस्था की गई है ;

(छ) यदि क्रेडिट की राशि अनियमित रूप से प्राप्त की गई है या खंड (ड.) के तहत सही रूप से निर्धारित की गई वापसी योग्य राशि से आधिक्य में प्राप्त की गयी है तथा उस खंड में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर विनिर्माता द्वारा प्रतिवर्तित नहीं की गई है, तो यह वसूली योग्य होगी जैसे कि यह वृद्धिपूर्ण रूप से वापिस किए गए उत्पाद शुल्क की वसूली हो। यदि ऐसी अनियमित या अधिक क्रेडिट को उत्पाद शुल्क वस्तुओं की निकासी पर उत्पाद शुल्क के भुगतान के लिए प्रयुक्त किया गया है, तो ऐसे माल को ऐसे अनियमित या अधिक क्रेडिट के उपयोग की सीमा तक शुल्क के भुगतान के बिना निकासी किया गया माना जाना चाहिए ।

**स्पष्टीकरण :** इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ, चालू खाते में क्रेडिट की गई राशि के उपयोग द्वारा अदा किए गए शुल्क को सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अन्तर्गत सेनवेट क्रेडिट के उपयोग के अतिरिक्त अन्य तरीके से शुल्क के भुगतान के रूप में लिया जाएगा ।

2.1 (1) उपर्युक्त पैराग्राफ 2 क में अन्तर्निहित किसी प्रावधान के होते हुए भी, विनिर्माता के पास उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दरों का लाभ न लेने तथा इस अधिसूचना के तहत उस के द्वारा विनिर्मित और निकासी किए गए किसी माल के संबंध में वास्तविक मूल्य वृद्धि का प्रतिनिधित्व करने वाली किसी विशेष दर के निर्धारण हेतु विनिर्माता के ऐसे माल के संबंध में आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादशुल्क, जैसा भी मामला हो, के समक्ष आवेदन करने का विकल्प प्राप्त है, जहां ऐसे माल के संबंध में विनिर्माता यह देखता है कि उक्त माल के उत्पादन या विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्री या संघटकों पर मूल्य परिवर्धन का अनुपात उक्त वस्तुओं के मूल्य के चार बट्टा पाँच भाग की तुलना में उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दर से अधिक (प्रतिशत में अभिव्यक्त) है। उक्त प्रयोजनार्थ, विनिर्माता किसी वित्तीय वर्ष के आरंभ होने के साठ दिनों के भीतर माल के उत्पादन या विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों या संघटकों के अनुपात सहित सभी प्रासंगिक तथ्यों को बताते हुए ऐसी विशेष दर के निर्धारण हेतु आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, को लिखित में आवेदन प्रस्तुत करेगा ;

बशर्ते कि आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, यदि वे इस बात से संतुष्ट हैं कि विनिर्माता को उक्त समय के भीतर पर्याप्त कारणों से आवेदन करने से रोका गया था, तो वे ऐसे विनिर्माता को तीस दिनों की और अवधि के भीतर ऐसा आवेदन करने के लिए अनुमति प्रदान कर सकते हैं ;

बशर्ते यह भी कि विनिर्माता अपने सांविधि लेखा परीक्षक से प्रमाणपत्र द्वारा किसी विशेष दर के लिए अपने दावे का समर्थन कर सकता है, जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष के लिए युनिट की लेखा परीक्षित बैलेंसशीट पर के आधार पर, उस माल के मामले में, जिसके लिए दावा किया गया है, मूल्य परिवर्धन का अनुमान अन्तर्निहित है ।

(2) उपर्युक्त के संबंध में आवेदन की प्राप्ति पर आयुक्त, केन्द्रीय उत्पादशुल्क या आयुक्त सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, ऐसी जांच पड़ताल करने या किए जाने के लिए प्रेरित करने के बाद, जैसा भी वे उचित समझें, ऐसे आवेदन के छह महीने की अवधि के भीतर विशेष दर के निर्धारण की अनुमति प्रदान कर सकते हैं ।

(3) जहां विनिर्माता यह इच्छा रखता है कि विशिष्ट दर निर्धारित किए जाने तक उसे अस्थायी रूप से वापसी स्वीकृत की जाए, वहां वह आवेदन करते समय, कॉलम (3) में विनिर्दिष्ट तथा उक्त पहली अनुसूची के अध्याय में आने वाले माल के विवरण जैसा कि उक्त सारणी के कॉलम (2) में तदनुसूची प्रविष्टि में निहित है, के लिए उपर्युक्त पैराग्राफ 2 क में सारणी के कॉलम (4) में निर्दिष्टित दर पर अस्थायी वापसी की मंजूरी के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, को लिखित में आवेदन कर सकता है, तथा विशिष्ट दर को अंतिम रूप दिए जाने पर ऐसी विशिष्ट दर के निर्धारण के आगामी माह में विनिर्माता को स्वीकार्य परवर्ती वापसियों में आवश्यक समायोजन किए जाएं ;

(4) जहां केन्द्र सरकार इसे ऐसा करना आवश्यक समझती हो, वहां वह

(क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, के द्वारा उपर्युक्त उप-पैराग्राफ (2) के तहत निर्धारित वापसी की राशि अथवा विशिष्ट दर को लागू कर सकती है ; अथवा

(ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, को इस तरह निर्धारित किए गए दर को वापस लेने के लिए निदेश दे सकती है ।

स्पष्टीकरण : इस पैराग्राफ के प्रयोजनार्थ, किसी माल के संबंध में मूल्य संबंधन को निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के वित्तीय अभिलेखों के आधार पर आकलित किया जाएगा ;

- (i) माल पर प्रदत्त कथित माल का बिक्री मूल्य जिसमें उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर तथा अन्य अप्रत्यक्ष कर, यदि कोई हों, शामिल न हो ;
- (ii) घटा : उपभुक्त माल में से कच्ची सामग्रियों एवं पैकिंग सामग्रियों की लागत ;
- (iii) घटा : उपभुक्त ईंधन की लागत, यदि सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के तहत निवेश क्रेडिट के लिए पात्र हो ;
- (iv) जमा : सम्पत्ति इकाई की सूची के रूप में प्राप्य कथित माल का मूल्य जो वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर समाशोधित न हो ;
- (v) घटा : सम्पत्ति सूची के रूप में उपलब्ध कथित माल का मूल्य परन्तु जो उस विचाराधीन पूर्ववर्ती वर्ष की समाप्ति पर समाशोधित न हो ।

विशिष्ट दर उक्त माल पर वास्तविक मूल्य परिवर्धन तथा कथित माल का बिक्री मूल्य जिसमें उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर तथा अन्य अप्रत्यक्ष कर, यदि कोई हों, शामिल न हो, का अनुपात होगा ।

(5) विनिर्माता, उस तारीख से जिस तारीख का उपर्युक्त आवेदन आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क के सामने जैसा भी मामला हो, को दावा दायर किया गया था ; उसके द्वारा तैयार किए गए तथा निकासित उत्पाद शुल्कीय माल की समस्त निकासियों के संबंध में इस तरह निर्धारित विशेष दर पर वापसी का हकदार होगा ।

(6) जहां किसी विशिष्ट दर को इस तरह निर्धारित किया जाता है, वहां उस माह में देय वापसी इस तरह निर्धारित किए गए दर पर ऐसे उत्पाद शुल्कीय माल पर देय कुल शुल्क के प्रतिशत के रूप में आकलित राशि के बराबर होगी ;

बशर्ते कि वापसी, सेनवेट क्रेडिट के उपयोग से भिन्न ऐसे माल पर प्रदत्त शुल्क राशि से अधिक नहीं होगी।

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2008 से प्रभावी होगी।

[फा. सं. 334/1/2008-टी.आर.यू.]

एस. बजाज, अवर सचिव

**टिप्पणी :—**मूल अधिसूचना सं. 32/99- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 8 जुलाई, 1999 को भारत के राजपत्र, असाधारण में सा. का. नि. सं. 508 (अ), दिनांक 8 जुलाई, 1999 के तहत प्रकाशित किया गया था और उसमें अंतिम संशोधन भारत के राजपत्र, असाधारण की अधिसूचना सं. 21/2007-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 25 अप्रैल, 2007 के सा.का.नि. 308 (अ), तारीख 25 अप्रैल, 2007 द्वारा किया गया था।

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 27th March, 2008

#### No. 17/2008-Central Excise

**G.S.R. 222(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textile and Textile Articles) Act, 1978, (40 of 1978) the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 32/99-Central Excise, dated the 8<sup>th</sup> July, 1999 which was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 508 (E) dated the 8<sup>th</sup> July, 1999, namely:-

In the said notification,-

- I. In the preamble, for the words and figures, "to the amount of duty paid by the manufacturer of goods other than the amount of duty paid by utilization of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2001", the words "to the duty payable on value addition undertaken in the manufacture of the said goods by the said unit" shall be substituted;
- II. for paragraph 1A, 2 and 2A the following shall be substituted, namely:-

**'2A** The duty payable on value addition shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on the said excisable goods of the description specified in column (3) of the Table below (hereinafter referred to as the said Table) and falling within the Chapter of the said First Schedule as are given in the corresponding entry in column (2) of the said Table, at the rates specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table:

TABLE

S.No.	Chapter of the First Schedule	Description of goods	Rate
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	29	All goods	29
2.	30	All goods	56



3.	33	All goods	56
4.	34	All goods	38
5.	38	All goods	34
6.	39	All goods	26
7.	40	Tyres, tubes and flaps	41
8.	72 or 73	All goods	39
9.	74	All goods	15
10.	76	All goods	36
11.	85	Electric motors and generators, electric generating sets and parts thereof	31
12.	Any chapter	Goods other than those mentioned above	36:

Provided that where the duty payable on value addition exceeds the duty paid by the manufacturer on the said excisable goods, other than the amount paid by utilization of CENVAT credit during the month, the duty payable on value addition, shall be deemed to be equal to the duty so paid other than by CENVAT credit.

2B In cases where all the goods produced by a manufacturer are eligible for exemption under this notification, the exemption contained in this notification shall be subject to the condition that the manufacturer first utilizes whole of the CENVAT credit available to him on the last day of the month under consideration for payment of duty on goods cleared during such month and pays only the balance amount in cash.

2C The exemption contained in this notification shall be given effect to in the following manner, namely:-

(a) the manufacturer shall submit a statement of the total duty paid and that paid by utilization of CENVAT credit, on each category of goods specified in the said Table and cleared under this notification, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 7<sup>th</sup> of the next month in which the duty has been paid;

(b) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification as may be deemed necessary, shall refund the duty payable on value addition, computed in the manner as specified in paragraph 2A above to the manufacturer by the 15<sup>th</sup> of the month following the one in which the statement as at clause (a) above has been submitted.

**2D Notwithstanding anything contained in sub-paragraph 2C above,-**

- (a) the manufacturer at his own option, may take credit of the amount calculated in the manner specified in paragraph 2A in his account current, maintained in terms of the Excise Manual of Supplementary Instructions issued by the Central Board of Excise and Customs. Such amount credited in the account current may be utilized by the manufacturer for payment of duty, in the manner specified under rule 8 of the Central Excise Rules, 2004, in subsequent months, and such payment shall be deemed to be payment in cash;
- (b) the credit of the refund amount may be taken by the manufacturer in his account current, by the 7<sup>th</sup> of the month following the month under consideration;
- (c) a manufacturer who intends to avail the option under clause (a) shall exercise his option in writing for availing such option before effecting the first clearance in any financial year and such option shall be effective from the date of exercise of the option and shall not be withdrawn during the remaining part of the financial year;
- (d) the manufacturer shall submit a statement of the total duty payable as well as the duty paid by utilization of CENVAT credit or otherwise and the credit taken as per clause (a), on each category of goods manufactured and cleared under the notification and specified in the said Table, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 15<sup>th</sup> of the month in which the credit has been so taken;
- (e) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification, as may be deemed necessary, shall determine the amount correctly refundable to the manufacturer and intimate to the manufacturer by the 15<sup>th</sup> day of the next month to the month in which the statement under clause (d) has been submitted. In case the credit taken by the manufacturer is in excess of the amount determined, the manufacturer shall, within five days from the receipt of the intimation, reverse the said excess credit from the account current maintained by him. In case, the credit taken by the manufacturer is less than the amount of refund determined, the manufacturer shall be eligible to take credit of the balance amount;

(f) in case the manufacturer fails to comply with the provisions of clauses (a) to (e), he shall forfeit the option, to take credit of the amount calculated in the manner specified in subparagraph 2A in his account current on his own, as provided for in clauses (a) to (c);

(g) the amount of the credit availed irregularly or availed of in excess of the amount determined correctly refundable under clause (e) and not reversed by the manufacturer within the period specified therein, shall be recoverable as if it is a recovery of duty of excise erroneously refunded. In case such irregular or excess credit is utilised for payment of excise duty on clearances of excisable goods, the said goods shall be considered to have been cleared without payment of duty to the extent of utilisation of such irregular or excess credit.

*Explanation.*—For the purposes of this paragraph, duty paid by utilisation of the amount credited in the account current, shall be taken as payment of duty by way other than utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2004.

- 2.1 (1) Notwithstanding anything contained in paragraph 2A, the manufacturer shall have the option not to avail the rates specified in the said Table and apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, having jurisdiction over the manufacturing unit of the manufacturer for fixation of a special rate representing the actual value addition in respect of any goods manufactured and cleared under this notification, if the manufacturer finds that four-fifths of the ratio of actual value addition in the production or manufacture of the said goods to the value of the said goods, is more than the rate specified in the said Table expressed as a percentage. For the said purpose, the manufacturer may, within sixty days from the beginning of a financial year, make an application in writing to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, for determination of such special rate, stating all relevant facts including the proportion in which the materials or components are used in the production or manufacture of goods:

Provided that the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise may, if he is satisfied that the manufacturer was prevented by sufficient cause from making the application within the aforesaid time, allow such manufacturer to make the application within a further period of thirty days:

Provided further that the manufacturer supports his claim for a special rate with a certificate from his statutory auditor containing an estimate of value addition in the case of goods for which a claim is made, based on the audited balance sheet of the unit, for the preceding financial year;

(2) On receipt of the application referred to in sub-paragraph (1), the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, after making or causing to be made such inquiry as he deems fit, shall fix the special rate within a period of six months of such application;

(3) Where the manufacturer desires that he may be granted refund provisionally till the time the special rate is fixed, he may, while making the application, apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, in writing for grant of provisional refund at the rate specified in column (4) of the said Table for the goods of description specified in column (3) of the said Table and falling in Chapter of the First Schedule of the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) as in corresponding entry in column (2) of the said Table, and on finalization of the special rate, necessary adjustments be made in the subsequent refunds admissible to the manufacturer in the month following the fixation of such special rate.

(4) Where the Central Government considers it necessary so to do, it may-

(a) revoke the special rate or amount of refund as determined under sub-paragraph (2) by the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, or

(b) direct the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, to withdraw the rate so fixed.

*Explanation:* For the purpose of this paragraph, the actual value addition in respect of said goods shall be calculated on the basis of the financial records of the preceding financial year, taking into account the following:

- (i) Sale value of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods;
- (ii) Less: Cost of raw materials and packing material consumed in the said goods;
- (iii) Less: Cost of fuel consumed if eligible for input credit under CENVAT Credit Rules, 2004;
- (iv) Plus: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year;

- (v) Less: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year preceding that under consideration.

Special rate would be the ratio of actual value addition in the production or manufacture of the said goods to the sale value of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods.

(5) The manufacturer shall be entitled to refund at the special rate fixed under sub-paragraph (2) in respect of all clearances of excisable goods manufactured and cleared under this notification with effect from the date on which the application referred to at sub-paragraph (1) was filed with the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Central Excise and Customs, as the case may be.

(6) Where a special rate is fixed under sub-paragraph (2), the refund payable in a month shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on such excisable goods, at the rate so fixed:

Provided that the refund shall not exceed the amount of duty paid on such goods, other than by utilization of CENVAT credit.'

2. This notification shall come into force with effect from the 1<sup>st</sup> day of April, 2008.

[F. No. 334/1/2008-TRU]

S. BAJAJ, Under Secy.

**Note:—**The principal notification No. 32/99-Central Excise, dated 8<sup>th</sup> July, 1999 was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 508(E), dated the 8<sup>th</sup> July, 1999 and was last amended vide notification no.21/2007-Central Excise, dated 25<sup>th</sup> April, 2007 published vide number G.S.R. 308(E), dated the 25<sup>th</sup> April, 2007.

#### अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मार्च, 2008

सं. 18/2008-के.उ.शु.

सा.का.नि. 223(अ).—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (टैक्सटाइल और टैक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 33/99-के.उ.शु. दिनांक 8 जुलाई, 1999 भारत के असाधारण राजपत्र में सा.का.नि. संख्या 509 (अ), दिनांक 8 जुलाई, 1999 में प्रकाशित किया गया था, में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

उपर्युक्त अधिसूचना में, -

(i) प्रस्तावना में 'सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अंतर्गत सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा किए गए शुल्क की राशि के अलावा माल के विनिर्माता द्वारा अदा किए गए शुल्क की राशि शब्दों के लिए 'उपर्युक्त यूनिट द्वारा उक्त माल के विनिर्माण में लिए गए मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(ii) पैराग्राफ 1क, 2 और 2क, के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात :-

'2क. इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' निम्न तालिका के कॉलम (3) में निर्दिष्ट विवरण के उपरोक्त उत्पाद शुल्कीय माल पर देय कुल शुल्क के प्रतिशत के रूप में और उपरोक्त पहली अनुसूची के अध्याय के अंतर्गत आने वाले जो उपरोक्त तालिका के कॉलम (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में दिए गए हैं, उपर्युक्त तालिका के कॉलम (4) में तत्स्थानी प्रविष्टि में निर्दिष्ट दरों पर परिकलित राशि के बराबर होगा :-

तालिका

क्रमांक	पहली अनुसूची का अध्याय	माल का विवरण	दर
1.	2.	3.	4.
1.	29	सभी माल	29
2.	30	सभी माल	56
3.	33	सभी माल	56
4.	34	सभी माल	38
5.	38	सभी माल	34
6.	39	सभी माल	26
7.	40	टॉयर्स, ट्यूब्स और फ्लेपर्स	41
8.	72 अथवा 73	सभी माल	39
9.	74	सभी माल	15
10.	76	सभी माल	36
11.	85	इलैक्ट्रिक मोटर्स और जनरेटर्स, विद्युत उत्पाद करने वाला सेट और उसके पुर्जे	31
12.	कोई अध्याय	उपर्युक्त मदों के अलावा अन्य कोई मद	36

बशर्ते कि जहां 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' उस माह के दौरान सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा की गई राशि के अलावा उपर्युक्त उत्पाद शुल्कीय माल पर निर्माता द्वारा अदा किए गए शुल्क से अधिक होता है, तब 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' सेनवेट क्रेडिट के अलावा अदा किए गए शुल्क के बराबर समझा जाएगा ।

2ख. उन मामलों में, जहां विनिर्माता द्वारा उत्पादित सभी माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट के लिए पात्र हैं, इस अधिसूचना में उल्लिखित छूट इस शर्त के अधीन होगी कि निर्माता ऐसे माह के दौरान स्वीकृत माल पर शुल्क के भुगतान के लिए विचाराधीन माह के आखिर दिन को उनको उपलब्ध पूरे सेनवेट क्रेडिट का उपयोग करेगा और केवल शेष राशि का भुगतान नकद रूप से करता है ।

2ग. इस अधिसूचना में उल्लिखित छूट निम्नलिखित रूप से प्रभावी होगी अर्थात् :-

(क) निर्माता, इस तालिका में विनिर्दिष्ट माल और इस अधिसूचना के अंतर्गत स्वीकृत माल पर सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा किए गए कुल शुल्क के विवरण सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को, जैसा भी मामला हो, अगले माह की 7 तारीख तक प्रस्तुत करेंगे, जिसमें शुल्क का भुगतान किया गया है।

(ख) सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, के.उ.शु. जैसा भी मामला होगा, ऐसे सत्यापन के पश्चात् जो कि आवश्यक समझा गया है, उपरोक्त पैराग्राफ (2) में विनिर्दिष्ट पद्धति से परिकलित किए गए मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क निर्माता को उस माह, जिसमें उपर्युक्त पैराग्राफ (क) पर विवरण प्रस्तुत किया गया है, के पश्चात् आने वाले माह की 15 तारीख तक वापिस करेंगे।

2घ. उपर्युक्त उप-पैरा 2ग में उल्लिखित किसी भी बात के होते हुए :-

(क) निर्माता, अपने विकल्प पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क द्वारा जारी किए गए अनुपूरक अनुदेशों के उत्पाद शुल्क नियमावली के संदर्भ में रखे गए उनके चालू खाते में पैराग्राफ 2 क में विनिर्धारित पद्धति से परिकलित राशि का क्रेडिट ले सकता है। तदवर्ती महीनों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2004 के नियम 8 के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट तरीके से शुल्क के भुगतान के लिए विनिर्माता द्वारा चालू खाते में क्रेडिट की गई ऐसी राशि का उपयोग किया जा सकता है और ऐसे भुगतान को नकद भुगतान माना जाना चाहिए।

(ख) विचाराधीन माह के बाद तदवर्ती माह की 7 तारीख तक विनिर्माता द्वारा उस के चालू खाते में वापिसी राशि के क्रेडिट को लिया जा सकता है ;

(ग) कोई विनिर्माता जो खण्ड (क) के अन्तर्गत विकल्प लेना चाहता है वह किसी वित्तीय वर्ष में पहली निकासी करने से पहले ऐसे विकल्प को प्राप्त करने के लिए लिखित में अपने विकल्प देगा और ऐसा विकल्प उस के लागू होने की तारीख से प्रभावी होगा और इसे वित्तीय वर्ष के शेष भाग के दौरान वापिस नहीं लिया जा सकेगा ;

(घ) विनिर्माता, जिस महीने में उस ने शुल्क अदा किया है, उसके अगले महीने की सात तारीख तक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक आयुक्त या उपायुक्त को जैसा भी मामला हो क्रमशः उस अधिसूचना के तहत निकासी किए गए तथा सारणी में विनिर्दिष्ट माल की प्रत्येक श्रेणी पर देय कुल शुल्क तथा सेनवेट क्रेडिट का उपयोग करके अदा किए गए या नकद में अदा किए गए शुल्क का एक विवरण प्रस्तुत करेगा;

(ङ.) सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या उपायुक्त केन्द्रीय उत्पादशुल्क, जैसा भी मामला हो, ऐसी जांच पड़ताल के बाद जैसा भी जरूरी समझा जाए, विनिर्माता को सही रूप से वापसी योग्य राशि को निर्धारित करेगा तथा विचाराधीन माह के अगले माह के 15वें दिन तक विनिर्माता को इस के बारे में सूचित करेगा। यदि विनिर्माता द्वारा लिया गया क्रेडिट निर्धारित राशि से अधिक है तो विनिर्माता उक्त सूचना की प्राप्ति के पांच दिन के भीतर उस के द्वारा अनुरक्षित उक्त चालू खाते से उस अधिक क्रेडिट को वापस कर देगा। यदि, विनिर्माता द्वारा लिया गया क्रेडिट निर्धारित वापसी की राशि की तुलना में कम है तो विनिर्माता बकाया राशि का क्रेडिट लेने के लिए पात्र होगा ;

(च) यदि विनिर्माता खंड (क) से (ङ.) तक के उपबंधों का अनुपालन करने में विफल रहता है तो वह स्वयं ही अपने चालू खाते में उप-पैराग्राफ 2 क में निर्धारित तरीके से परिकलित राशि का क्रेडिट लेने के विकल्प से वंचित हो जाएगा, जैसाकि खण्ड (क) से (ग) में व्यवस्था की गई है ;

(छ) यदि क्रेडिट की राशि अनियमित रूप से प्राप्त की गई है या खंड (ड.) के तहत सही रूप से निर्धारित की गई वापसी योग्य राशि से आधिक्य में प्राप्त की गयी है तथा उस खंड में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर विनिर्माता द्वारा प्रतिवर्तित नहीं की गई है, तो यह वसूली योग्य होगी जैसे कि यह त्रुटिपूर्ण रूप से वापस किए गए उत्पाद शुल्क की वसूली हो। यदि ऐसी अनियमित या अधिक क्रेडिट को उत्पाद शुल्क वस्तुओं की निकासी पर उत्पाद शुल्क के भुगतान के लिए प्रयुक्त किया गया है, तो ऐसे माल को ऐसे अनियमित या अधिक क्रेडिट के उपयोग की सीमा तक शुल्क के भुगतान के बिना निकासी किया गया माना जाना चाहिए।

**स्पष्टीकरण :** इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ, चालू खाते में क्रेडिट की गई राशि के उपयोग द्वारा अदा किए गए शुल्क को सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अन्तर्गत सेनवेट क्रेडिट के उपयोग के अतिरिक्त अन्य तरीके से शुल्क के भुगतान के रूप में लिया जाएगा।

2.1 (1) उपर्युक्त पैराग्राफ 2 क में अन्तर्निहित किसी प्रावधान के होते हुए भी, विनिर्माता के पास उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दरों का लाभ न लेने तथा इस अधिसूचना के तहत उस के द्वारा विनिर्मित और निकासी किए गए किसी माल के संबंध में वास्तविक मूल्य वृद्धि का प्रतिनिधित्व करने वाली किसी विशेष दर के निर्धारण हेतु विनिर्माता के ऐसे माल के संबंध में आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादशुल्क, जैसा भी मामला हो, के समक्ष आवेदन करने का विकल्प प्राप्त हैं, जहां ऐसे माल के संबंध में विनिर्माता यह देखता है कि उक्त माल के उत्पादन या विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्री या संघटकों पर मूल्य परिवर्धन का अनुपात उक्त वस्तुओं के मूल्य के चार बट्टा पाँच भाग की तुलना में उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दर से अधिक (प्रतिशत में अभिव्यक्त) है। उक्त प्रयोजनार्थ, विनिर्माता किसी वित्तीय वर्ष के आरंभ होने के साठ दिनों के भीतर माल के उत्पादन या विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों या संघटकों के अनुपात सहित सभी प्रासंगिक तथ्यों को बताते हुए ऐसी विशेष दर के निर्धारण हेतु आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, को लिखित में आवेदन प्रस्तुत करेगा ;

बशर्ते कि आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, यदि वे इस बात से संतुष्ट हैं कि विनिर्माता को उक्त समय के भीतर पर्याप्त कारणों से आवेदन करने से रोका गया था, तो वे ऐसे विनिर्माता को तीस दिनों की और अवधि के भीतर ऐसा आवेदन करने के लिए अनुमति प्रदान कर सकते हैं ;

बशर्ते यह भी कि विनिर्माता अपने सांविधि लेखा परीक्षक से प्रमाणपत्र द्वारा किसी विशेष दर के लिए अपने दावे का समर्थन कर सकता है, जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष के लिए युनिट की लेखा परीक्षित बैलेंसशीट पर के आधार पर, उस माल के मामले में, जिसके लिए दावा किया गया है, मूल्य परिवर्धन का अनुमान अन्तर्निहित है।

(2) उपर्युक्त के संबंध में आवेदन की प्राप्ति पर आयुक्त, केन्द्रीय उत्पादशुल्क या आयुक्त सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, ऐसी जांच पड़ताल करने या किए जाने के लिए प्रेरित करने के बाद, जैसा भी वे उचित समझें, ऐसे आवेदन के छह महीने की अवधि के भीतर विशेष दर के निर्धारण की अनुमति प्रदान कर सकते हैं।

(3) जहां विनिर्माता यह इच्छा रखता है कि विशिष्ट दर निर्धारित किए जाने तक उसे अस्थायी रूप से वापसी स्वीकृत की जाए, वहां वह आवेदन करते समय, कॉलम (3) में विनिर्दिष्ट तथा उक्त पहली अनुसूची के अध्याय में आने वाले माल के विवरण जैसा कि उक्त सारणी के कॉलम (2) में तदनुसूची प्रविष्टि में निहित है, के लिए उपर्युक्त पैराग्राफ 2 क में सारणी के कॉलम (4) में निर्दिष्ट दर पर



अस्थायी वापसी की मंजूरी के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, को लिखित में आवेदन कर सकता है, तथा विशिष्ट दर को अंतिम रूप दिए जाने पर ऐसी विशिष्ट दर के निर्धारण के आगामी माह में विनिर्माता को स्वीकार्य परवर्ती वापसियों में आवश्यक समायोजन किए जाएं ;

(4) जहां केन्द्र सरकार इसे ऐसा करना आवश्यक समझती हो, वहां वह

(क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, के द्वारा उपर्युक्त उप-पैराग्राफ (2) के तहत निर्धारित वापसी की राशि अथवा विशिष्ट दर को लागू कर सकती है ; अथवा

(ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, को इस तरह निर्धारित किए गए दर को वापस लेने के लिए निदेश दे सकती है ।

स्पष्टीकरण : इस पैराग्राफ के प्रयोजनार्थ, किसी माल के संबंध में मूल्य संबंधन को निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के वित्तीय अभिलेखों के आधार पर आकलित किया जाएगा ;

(i) माल पर प्रदत्त कथित माल का बिक्री मूल्य जिसमें उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर तथा अन्य अप्रत्यक्ष कर, यदि कोई हों, शामिल न हो ;

(ii) घटा : उपभुक्त माल में से कच्ची सामग्रियों एवं पैकिंग सामग्रियों की लागत ;

(iii) घटा : उपभुक्त ईंधन की लागत, यदि सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के तहत निवेश क्रेडिट के लिए पात्र हो ;

(iv) जमा : सम्पत्ति इकाई की सूची के रूप में प्राप्य कथित माल का मूल्य जो वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर समाशोधित न हो ;

(v) घटा : सम्पत्ति सूची के रूप में उपलब्ध कथित माल का मूल्य परन्तु जो उस विचाराधीन पूर्ववर्ती वर्ष की समाप्ति पर समाशोधित न हो ।

विशिष्ट दर उक्त माल पर वास्तविक मूल्य परिवर्धन तथा कथित माल का बिक्री मूल्य जिसमें उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर तथा अन्य अप्रत्यक्ष कर, यदि कोई हों, शामिल न हो, का अनुपात होगा ।

(5) विनिर्माता, उस तारीख से जिस तारीख का उपर्युक्त आवेदन आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क के सामने जैसा भी मामला हो, को दावा दायर किया गया था ; उसके द्वारा तैयार किए गए तथा निकासित उत्पाद शुल्कीय माल की समस्त निकासियों के संबंध में इस तरह निर्धारित विशेष दर पर वापसी का हकदार होगा ।

(6) जहां किसी विशिष्ट दर को इस तरह निर्धारित किया जाता है, वहां उस माह में देय वापसी इस तरह निर्धारित किए गए दर पर ऐसे उत्पाद शुल्कीय माल पर देय कुल शुल्क के प्रतिशत के रूप में आकलित राशि के बराबर होगी ;

बशर्ते कि वापसी, सेनवेट क्रेडिट के उपयोग से भिन्न ऐसे माल पर प्रदत्त शुल्क राशि से अधिक नहीं होगी ।'

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2008 से प्रभावी होगी ।

[फा. सं. 334/1/2008-टी.आर.यू.]

एस. बजाज, अवर सचिव

**टिप्पणी :—**मूल अधिसूचना सं. 33/99- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 8 जुलाई, 1999 को भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 8 जुलाई, 1999 की सा. का. नि. सं. 509 (अ) के तहत प्रकाशित किया गया था और उसमें अंतिम संशोधन भारत के राजपत्र, असाधारण की अधिसूचना सं0 21/2007-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 25 अप्रैल, 2007 के सा.का.नि. 308 (अ), तारीख 25 अप्रैल, 2007 द्वारा किया गया था ।

### NOTIFICATION

New Delhi, the 27th March, 2008

#### No. 18/2008-Central Excise

**G.S.R. 223(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textile and Textile Articles) Act, 1978, (40 of 1978) the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 33/99-Central Excise, dated the 8<sup>th</sup> July, 1999 which was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 509(E) dated the 8<sup>th</sup> July, 1999 namely:-

In the said notification,-

- I. In the preamble, for the words, "to the amount of duty paid by the manufacturer of goods other than the amount of duty paid by utilization of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2001", the words "to the duty payable on value addition undertaken in the manufacture of the said goods by the said unit" shall be substituted;
- II. for paragraphs 1A, 2 and 2A, the following shall be substituted, namely:-

**2A** The duty payable on value addition shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on the said excisable goods of the description specified in column (3) of the Table below (hereinafter referred to as the said Table) and falling within the Chapter of the said First Schedule as are given in the corresponding entry in column (2) of the said Table, at the rates specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table:

TABLE

S.No.	Chapter of the First Schedule	Description of goods	Rate
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	29	All goods	29
2.	30	All goods	56

3.	33	All goods	56
4.	34	All goods	38
5.	38	All goods	34
6.	39	All goods	26
7.	40	Tyres, tubes and flaps	41
8.	72 or 73	All goods	39
9.	74	All goods	15
10.	76	All goods	36
11.	85	Electric motors and generators, electric generating sets and parts thereof	31
12.	Any chapter	Goods other than those mentioned above	36:

Provided that where the duty payable on value addition exceeds the duty paid by the manufacturer on the said excisable goods, other than the amount paid by utilization of CENVAT credit during the month, the duty payable on value addition, shall be deemed to be equal to the duty so paid other than by CENVAT credit.

2B In cases where all the goods produced by a manufacturer are eligible for exemption under this notification, the exemption contained in this notification shall be subject to the condition that the manufacturer first utilizes whole of the CENVAT credit available to him on the last day of the month under consideration for payment of duty on goods cleared during such month and pays only the balance amount in cash.

2C The exemption contained in this notification shall be given effect to in the following manner, namely:-

(a) the manufacturer shall submit a statement of the total duty paid and that paid by utilization of CENVAT credit, on each category of goods specified in the said Table and cleared under this notification, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 7<sup>th</sup> of the next month in which the duty has been paid;

(b) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification as may be deemed necessary, shall refund the duty payable on value addition, computed in the manner as specified in paragraph 2A to the manufacturer by the 15<sup>th</sup> of the month following the one in which the statement as at clause (a) above has been submitted.

2D Notwithstanding anything contained in sub-paragraph 2C above,-

(a) the manufacturer at his own option, may take credit of the amount calculated in the manner specified in paragraph 2A in his account current, maintained in terms of the Excise Manual of Supplementary Instructions issued by the Central Board of Excise and Customs. Such amount credited in the account current may be utilized by the manufacturer for payment of

duty, in the manner specified under rule 8 of the Central Excise Rules, 2004, in subsequent months, and such payment shall be deemed to be payment in cash;

(b) the credit of the refund amount may be taken by the manufacturer in his account current, by the 7<sup>th</sup> of the month following the month under consideration;

(c) a manufacturer who intends to avail the option under clause (a) shall exercise his option in writing for availing such option before effecting the first clearance in any financial year and such option shall be effective from the date of exercise of the option and shall not be withdrawn during the remaining part of the financial year;

(d) the manufacturer shall submit a statement of the total duty payable as well as the duty paid by utilization of CENVAT credit or otherwise and the credit taken as per clause (a), on each category of goods manufactured and cleared under the notification and specified in the said Table, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 15<sup>th</sup> of the month in which the credit has been so taken;

(e) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification, as may be deemed necessary, shall determine the amount correctly refundable to the manufacturer and intimate to the manufacturer by the 15<sup>th</sup> day of the next month to the month in which the statement under clause (d) has been submitted. In case the credit taken by the manufacturer is in excess of the amount determined, the manufacturer shall, within five days from the receipt of the intimation, reverse the said excess credit from the account current maintained by him. In case, the credit taken by the manufacturer is less than the amount of refund determined, the manufacturer shall be eligible to take credit of the balance amount;

(f) in case the manufacturer fails to comply with the provisions of clauses (a) to (e), he shall forfeit the option, to take credit of the amount calculated in the manner specified in subparagraph 2A in his account current on his own, as provided for in clauses (a) to (c);

(g) the amount of the credit availed irregularly or availed of in excess of the amount determined correctly refundable under clause (e) and not reversed by the manufacturer within the period specified therein, shall be recoverable as if it is a recovery of duty of excise erroneously refunded. In case such irregular or excess credit is utilised for payment of excise duty on clearances of excisable goods, the said goods shall be considered to have been cleared without payment of duty to the extent of utilisation of such irregular or excess credit.

*Explanation.*—For the purposes of this paragraph, duty paid by utilisation of the amount credited in the account current, shall be taken as payment of duty by way other than utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2004.

- 2.1 (1) Notwithstanding anything contained in paragraph 2A, the manufacturer shall have the option not to avail the rates specified in the said Table and apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, having jurisdiction over the manufacturing unit of the manufacturer for fixation of a special rate representing the actual value addition in respect of any goods manufactured and cleared under this notification, if the manufacturer finds that four-fifths of the ratio of actual value addition in the production or manufacture of the said goods to the value of the said goods, is more than the rate specified in the said Table expressed as a percentage. For the said purpose, the manufacturer may, within sixty days from the beginning of a financial year, make an application in writing to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, for determination of such special rate, stating all relevant facts including the proportion in which the materials or components are used in the production or manufacture of goods:

Provided that the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise may, if he is satisfied that the manufacturer was prevented by sufficient cause from making the application within the aforesaid time, allow such manufacturer to make the application within a further period of thirty days:

Provided further that the manufacturer supports his claim for a special rate with a certificate from his statutory auditor containing an estimate of value addition in the case of goods for which a claim is made, based on the audited balance sheet of the unit, for the preceding financial year;

- (2) On receipt of the application referred to in sub-paragraph (1), the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, after making or causing to be made such inquiry as he deems fit, shall fix the special rate within a period of six months of such application;

- (3) Where the manufacturer desires that he may be granted refund provisionally till the time the special rate is fixed, he may, while making the application, apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, in writing for grant of provisional refund at the rate specified in column (4) of the said Table for the goods of description specified in column (3) of the said Table and falling in Chapter of the First Schedule of

the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) as in corresponding entry in column (2) of the said Table, and on finalization of the special rate, necessary adjustments be made in the subsequent refunds admissible to the manufacturer in the month following the fixation of such special rate.

(4) Where the Central Government considers it necessary so to do, it may-

(a) revoke the special rate or amount of refund as determined under sub-paragraph (2) by the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, or

(b) direct the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, to withdraw the rate so fixed.

*Explanation:* For the purpose of this paragraph, the actual value addition in respect of said goods shall be calculated on the basis of the financial records of the preceding financial year, taking into account the following:

- (i) Sale value of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods;
- (ii) Less: Cost of raw materials and packing material consumed in the said goods;
- (iii) Less: Cost of fuel consumed if eligible for input credit under CENVAT Credit Rules, 2004;
- (iv) Plus: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year;
- (v) Less: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year preceding that under consideration.

Special rate would be the ratio of actual value addition in the production or manufacture of the said goods to the sale value of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods.

(5) The manufacturer shall be entitled to refund at the special rate fixed under sub-paragraph (2) in respect of all clearances of excisable goods manufactured and cleared under this notification with effect from the date on which the application referred to at sub-paragraph (1) was filed with the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Central Excise and Customs, as the case may be.

(6) Where a special rate is fixed under sub-paragraph (2), the refund payable in a month shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on such excisable goods, at the rate so fixed:

Provided that the refund shall not exceed the amount of duty paid on such goods, other than by utilization of CENVAT credit.'

2. This notification shall come into force with effect from the 1<sup>st</sup> day of April, 2008.

[F.No.334/1/2008-TRU]

S. BAJAJ, Under Secy.

**Note:—**The principal notification No. 33/99-Central Excise, dated 8<sup>th</sup> July, 1999 was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 509(E), dated the 8<sup>th</sup> July, 1999 and was last amended vide notification no.21/2007-Central Excise, dated 25<sup>th</sup> April, 2007 published vide number G.S.R. 308(E), dated the 25<sup>th</sup> April, 2007.

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मार्च, 2008

सं. 19/2008-के.उ.शु.

सा.का.नि. 224(अ).—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (टैक्सटाइल और टैक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 56/2002-के.उ.शु. दिनांक 14 नवम्बर, 2002 भारत के असाधारण राजपत्र में सा.का.नि. संख्या 764 (अ), दिनांक 14 नवम्बर, 2002 में प्रकाशित किया गया था, में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

उपर्युक्त अधिसूचना में, -

(i) प्रस्तावना में 'सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अंतर्गत सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा किए गए शुल्क की राशि के अलावा माल के विनिर्माता द्वारा अदा किए गए शुल्क की राशि शब्दों के लिए 'उपर्युक्त यूनिट द्वारा उक्त माल के विनिर्माण में लिए गए मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(ii) पैराग्राफ 1क, 2 और 2क के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

'2. इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' निम्न तालिका के कॉलम (3) में निर्दिष्ट विवरण के उपरोक्त उत्पाद शुल्कीय माल पर देय कुल शुल्क के प्रतिशत के रूप में और उपरोक्त पहली अनुसूची के अध्याय के अंतर्गत आने वाले जो उपरोक्त तालिका के कॉलम (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में दिए गए हैं, उपर्युक्त तालिका के कॉलम (4) में तत्स्थानी प्रविष्टि में निर्दिष्ट दरों पर परिकलित राशि के बराबर होगा :-

## तालिका

क्रमांक	पहली अनुसूची का अध्याय	माल का विवरण	दर
1.	2.	3.	4.
1.	29	सभी माल	29
2.	30	सभी माल	56
3.	33	सभी माल	56
4.	34	सभी माल	38
5.	38	सभी माल	34
6.	39	सभी माल	26
7.	40	टॉयर, ट्यूबस और फलेपस्	41
8.	72 अथवा 73	सभी माल	39
9.	74	सभी माल	15
10.	76	सभी माल	36
11.	85	इलैक्ट्रिक मोटर्स और जनरेटर्स, विद्युत उत्पाद करने वाला सेट और उसके पुर्जे	31
12.	कोई अध्याय	उपर्युक्त मदों के अलावा अन्य कोई मद	36

बशर्ते कि जहां 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' उस माह के दौरान सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा की गई राशि के अलावा उपर्युक्त उत्पाद शुल्कीय माल पर निर्माता द्वारा अदा किए गए शुल्क से अधिक होता है, तब 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' सेनवेट क्रेडिट के अलावा अदा किए गए शुल्क के बराबर समझा जाएगा।

2क. उन मामलों में, जहां विनिर्माता द्वारा उत्पादित सभी माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट के लिए पात्र हैं, इस अधिसूचना में उल्लिखित छूट इस शर्त के अधीन होगी कि निर्माता ऐसे माह के दौरान स्वीकृत माल पर शुल्क के भुगतान के लिए विचाराधीन माह के आखिर दिन को उनको उपलब्ध पूरे सेनवेट क्रेडिट का उपयोग करेगा और केवल शेष राशि का भुगतान नकद रूप से करता है।

2 ख. इस अधिसूचना में उल्लिखित छूट निम्नलिखित रूप से प्रभावी होगी अर्थात् :-

(क) निर्माता, इस तालिका में विनिर्दिष्ट माल और इस अधिसूचना के अंतर्गत स्वीकृत माल पर सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा किए गए कुल शुल्क के विवरण सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को, जैसा भी मामला हो, अगले माह की 7 तारीख तक प्रस्तुत करेंगे, जिसमें शुल्क का भुगतान किया गया है।

(ख) सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, के.उ.शु. जैसा भी मामला होगा, ऐसे सत्यापन के पश्चात् जो कि आवश्यक समझा गया है, उपरोक्त पैराग्राफ (2) में विनिर्दिष्ट पद्धति से परिकलित किए गए मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क निर्माता को उस माह, जिसमें उपर्युक्त पैराग्राफ (क) पर विवरण प्रस्तुत किया गया है, के पश्चात् आने वाले माह की 15 तारीख तक वापिस करेंगे।



2ग. उपर्युक्त उप-पैरा 2ख में उल्लिखित किसी भी बात के होते हुए :-

(क) निर्माता, अपने विकल्प पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क द्वारा जारी किए गए अनुपूरक अनुदेशों के उत्पाद शुल्क नियमावली के संदर्भ में रखे गए उनके चालू खाते में पैराग्राफ 2 में विनिर्धारित पद्धति से परिकलित राशि का क्रेडिट ले सकता है। तदवर्ती महीनों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2004 के नियम 8 के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट तरीके से शुल्क के भुगतान के लिए विनिर्माता द्वारा चालू खाते में क्रेडिट की गई ऐसी राशि का उपयोग किया जा सकता है और ऐसे भुगतान को नकद भुगतान माना जाना चाहिए।

(ख) विचाराधीन माह के बाद तदवर्ती माह की 7 तारीख तक विनिर्माता द्वारा उस के चालू खाते में वापसी राशि के क्रेडिट को लिया जा सकता है ;

(ग) कोई विनिर्माता जो खण्ड (क) के अन्तर्गत विकल्प लेना चाहता है वह किसी वित्तीय वर्ष में पहली निकासी करने से पहले ऐसे विकल्प को प्राप्त करने के लिए लिखित में अपने विकल्प देगा और ऐसा विकल्प उस के लागू होने की तारीख से प्रभावी होगा और इसे वित्तीय वर्ष के शेष भाग के दौरान वापिस नहीं लिया जा सकेगा ;

(घ) विनिर्माता, जिस महीने में उस ने शुल्क अदा किया है, उसके अगले महीने की सात तारीख तक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक आयुक्त या उपायुक्त को जैसा भी मामला हो क्रमशः उस अधिसूचना के तहत निकासी किए गए तथा सारणी में विनिर्दिष्ट माल की प्रत्येक श्रेणी पर देय कुल शुल्क तथा सेनवेट क्रेडिट का उपयोग करके अदा किए गए या नकद में अदा किए गए शुल्क का एक विवरण प्रस्तुत करेगा;

(ङ.) सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या उपायुक्त केन्द्रीय उत्पादशुल्क, जैसा भी मामला हो, ऐसी जांच पड़ताल के बाद जैसा भी जरूरी समझा जाए, विनिर्माता को सही रूप से वापसी योग्य राशि को निर्धारित करेगा तथा विचाराधीन माह के अगले माह के 15वें दिन तक विनिर्माता को इस के बारे में सूचित करेगा। यदि विनिर्माता द्वारा लिया गया क्रेडिट निर्धारित राशि से अधिक है तो विनिर्माता उक्त सूचना की प्राप्ति के पांच दिन के भीतर उस के द्वारा अनुरक्षित उक्त चालू खाते से उस अधिक क्रेडिट को वापस कर देगा। यदि, विनिर्माता द्वारा लिया गया क्रेडिट निर्धारित वापसी की राशि की तुलना में कम है तो विनिर्माता बकाया राशि का क्रेडिट लेने के लिए पात्र होगा ;

(च) यदि विनिर्माता खंड (क) से (ङ.) तक के उपबंधों का अनुपालन करने में विफल रहता है तो वह स्वयं ही अपने चालू खाते में उप-पैराग्राफ 2 क में निर्धारित तरीके से परिकलित राशि का क्रेडिट लेने के विकल्प से वंचित हो जाएगा, जैसाकि खण्ड (क) से (ग) में व्यवस्था की गई है ;

(छ) यदि क्रेडिट की राशि अनियमित रूप से प्राप्त की गई है या खंड (ङ.) के तहत सही रूप से निर्धारित की गई वापसी योग्य राशि से आधिक्य में प्राप्त की गयी है तथा उस खंड में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर विनिर्माता द्वारा प्रतिवर्तित नहीं की गई है, तो यह वसूली योग्य होगी जैसे कि यह त्रुटिपूर्ण रूप से वापिस किए गए उत्पाद शुल्क की वसूली हो। यदि ऐसी अनियमित या अधिक क्रेडिट को उत्पाद शुल्क वस्तुओं की निकासी पर उत्पाद शुल्क के भुगतान के लिए प्रयुक्त किया गया है, तो ऐसे माल को ऐसे अनियमित या अधिक क्रेडिट के उपयोग की सीमा तक शुल्क के भुगतान के बिना निकासी किया गया माना जाना चाहिए।

**स्पष्टीकरण :** इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ, चालू खाते में क्रेडिट की गई राशि के उपयोग द्वारा अदा किए गए शुल्क को सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अन्तर्गत सेनवेट क्रेडिट के उपयोग के अतिरिक्त अन्य तरीके से शुल्क के भुगतान के रूप में लिया जाएगा।

2.1. (1) उपर्युक्त पैराग्राफ 2 में अन्तर्निहित किसी प्रावधान के होते हुए भी, विनिर्माता के पास उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दरों का लाभ न लेने तथा इस अधिसूचना के तहत उस के द्वारा विनिर्मित और निकासी किए गए किसी माल के संबंध में वास्तविक मूल्य वृद्धि का प्रतिनिधित्व करने वाली किसी विशेष दर के निर्धारण हेतु विनिर्माता के ऐसे माल के संबंध में आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादशुल्क, जैसा भी मामला हो, के समक्ष आवेदन करने का विकल्प प्राप्त है, जहां ऐसे माल के संबंध में विनिर्माता यह देखता है कि उक्त माल के उत्पादन या विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्री या संघटकों पर मूल्य परिवर्धन का अनुपात उक्त वस्तुओं के मूल्य के चार बट्टा पाँच भाग की तुलना में उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दर से अधिक (प्रतिशत में अभिव्यक्त) है। उक्त प्रयोजनार्थ, विनिर्माता किसी वित्तीय वर्ष के आरंभ होने के साठ दिनों के भीतर माल के उत्पादन या विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों या संघटकों के अनुपात सहित सभी प्रासंगिक तथ्यों को बताते हुए ऐसी विशेष दर के निर्धारण हेतु आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, को लिखित में आवेदन प्रस्तुत करेगा ;

बशर्ते कि आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, यदि वे इस बात से संतुष्ट हैं कि विनिर्माता को उक्त समय के भीतर पर्याप्त कारणों से आवेदन करने से रोका गया था, तो वे ऐसे विनिर्माता को तीस दिनों की और अवधि के भीतर ऐसा आवेदन करने के लिए अनुमति प्रदान कर सकते हैं ;

बशर्ते यह भी कि विनिर्माता अपने सांविधि लेखा परीक्षक से प्रमाणपत्र द्वारा किसी विशेष दर के लिए अपने दावे का समर्थन कर सकता है, जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष के लिए युनिट की लेखा परीक्षित बैलेंसशीट पर के आधार पर, उस माल के मामले में, जिसके लिए दावा किया गया है, मूल्य परिवर्धन का अनुमान अन्तर्निहित है।

(2) उपर्युक्त के संबंध में आवेदन की प्राप्ति पर आयुक्त, केन्द्रीय उत्पादशुल्क या आयुक्त सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, ऐसी जांच पड़ताल करने या किए जाने के लिए प्रेरित करने के बाद, जैसा भी वे उचित समझें, ऐसे आवेदन के छह महीने की अवधि के भीतर विशेष दर के निर्धारण की अनुमति प्रदान कर सकते हैं।

(3) जहां विनिर्माता यह इच्छा रखता है कि विशिष्ट दर निर्धारित किए जाने तक उसे अस्थायी रूप से वापसी स्वीकृत की जाए, वहां वह आवेदन करते समय, कॉलम (3) में विनिर्दिष्ट तथा उक्त पहली अनुसूची के अध्याय में आने वाले माल के विवरण जैसा कि उक्त सारणी के कॉलम (2) में तदनुसूची प्रविष्टि में निहित है, के लिए उपर्युक्त पैराग्राफ 2 क में सारणी के कॉलम (4) में निर्दिष्ट दर पर अस्थायी वापसी की मंजूरी के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, को लिखित में आवेदन कर सकता है, तथा विशिष्ट दर को अंतिम रूप दिए जाने पर ऐसी विशिष्ट दर के निर्धारण के आगामी माह में विनिर्माता को स्वीकार्य परवर्ती वापसियों में आवश्यक समायोजन किए जाएं ;

(4) जहां केन्द्र सरकार इसे ऐसा करना आवश्यक समझती हो, वहां वह

(क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, के द्वारा उपर्युक्त उप-पैराग्राफ (2) के तहत निर्धारित वापसी की राशि अथवा विशिष्ट दर को लागू कर सकती है ; अथवा

(ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, को इस तरह निर्धारित किए गए दर को वापस लेने के लिए निदेश दे सकती है ।

स्पष्टीकरण : इस पैराग्राफ के प्रयोजनार्थ, किसी माल के संबंध में मूल्य संबंधन को निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के वित्तीय अभिलेखों के आधार पर आकलित किया जाएगा ;

(i) माल पर प्रदत्त कथित माल का बिक्री मूल्य जिसमें उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर तथा अन्य अप्रत्यक्ष कर, यदि कोई हों, शामिल न हो ;

(ii) घटा : उपभुक्त माल में से कच्ची सामग्रियों एवं पैकिंग सामग्रियों की लागत ;

(iii) घटा : उपभुक्त ईंधन की लागत, यदि सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के तहत निवेश क्रेडिट के लिए पात्र हो ;

(iv) जमा : सम्पत्ति इकाई की सूची के रूप में प्राप्य कथित माल का मूल्य जो वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर समाशोधित न हो ;

(v) घटा : सम्पत्ति सूची के रूप में उपलब्ध कथित माल का मूल्य परन्तु जो उस विचाराधीन पूर्ववर्ती वर्ष की समाप्ति पर समाशोधित न हो ।

विशिष्ट दर उक्त माल पर वास्तविक मूल्य परिवर्धन तथा कथित माल का बिक्री मूल्य जिसमें उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर तथा अन्य अप्रत्यक्ष कर, यदि कोई हों, शामिल न हो, का अनुपात होगा ।

(5) विनिर्माता, उस तारीख से जिस तारीख का उपर्युक्त आवदेन आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क के सामने जैसा भी मामला हो, को दावा दायर किया गया था ; उसके द्वारा तैयार किए गए तथा निकासित उत्पाद शुल्कीय माल की समस्त निकासियों के संबंध में इस तरह निर्धारित विशेष दर पर वापसी का हकदार होगा ।

(6) जहां किसी विशिष्ट दर को इस तरह निर्धारित किया जाता है, वहां उस माह में देय वापसी इस तरह निर्धारित किए गए दर पर ऐसे उत्पाद शुल्कीय माल पर देय कुल शुल्क के प्रतिशत के रूप में आकलित राशि के बराबर होगी ;

बशर्ते कि वापसी, सेनवेट क्रेडिट के उपयोग से भिन्न ऐसे माल पर प्रदत्त शुल्क राशि से अधिक नहीं होगी ।

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2008 से प्रभावी होगी ।

[फा. सं. 334/1/2008-टी.आर.यू.]

एस. बजाज, अवर सचिव

**टिप्पणी :—** मूल अधिसूचना सं. 56/2002- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 14 नवम्बर, 2002 को भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 14 नवम्बर, 2002 की सा. का. नि. सं. 764 (अ) के तहत प्रकाशित किया गया था और उसमें अंतिम संशोधन भारत के राजपत्र, असाधारण की अधिसूचना सं० 34/2005-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 30 सितम्बर, 2005 के सा.का.नि. 618(अ), तारीख 30 सितम्बर, 2005 द्वारा किया गया था ।

## NOTIFICATION

New Delhi, the 27th March, 2008

## No. 19/2008-Central Excise

**G.S.R. 224(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textile and Textile Articles) Act, 1978, (40 of 1978) the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 56/2002-Central Excise, dated the 14<sup>th</sup> November, 2002 which was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 764 (E) dated the 14<sup>th</sup> November, 2002, namely:-

In the said notification,-

- I. In the preamble, for the words and figures, "to the amount of duty paid by the manufacturer of goods other than the amount of duty paid by utilization of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002", the words "to the duty payable on value addition undertaken in the manufacture of the said goods by the said unit" shall be substituted;
  - II. for paragraphs 1A, 2 and 2A the following shall be substituted, namely:-
2. The duty payable on value addition shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on the said excisable goods of the description specified in column (3) of the Table below (hereinafter referred to as the said Table) and falling within the Chapter of the said First Schedule as are given in the corresponding entry in column (2) of the said Table, at the rates specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table:

TABLE

S.No.	Chapter of the First Schedule	Description of goods	Rate
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	29	All goods	29
2.	30	All goods	56
3.	33	All goods	56
4.	34	All goods	38
5.	38	All goods	34
6.	39	All goods	26
7.	40	Tyres, tubes and flaps	41
8.	72 or 73	All goods	39
9.	74	All goods	15

10.	76	All goods	36
11.	85	Electric motors and generators, electric generating sets and parts thereof	31
12.	Any chapter	Goods other than those mentioned above	36:

Provided that where the duty payable on value addition exceeds the duty paid by the manufacturer on the said excisable goods, other than the amount paid by utilization of CENVAT credit during the month, the duty payable on value addition, shall be deemed to be equal to the duty so paid other than by CENVAT credit.

2A In cases where all the goods produced by a manufacturer are eligible for exemption under this notification, the exemption contained in this notification shall be subject to the condition that the manufacturer first utilizes whole of the CENVAT credit available to him on the last day of the month under consideration for payment of duty on goods cleared during such month and pays only the balance amount in cash.

2B The exemption contained in this notification shall be given effect to in the following manner, namely:-

(a) the manufacturer shall submit a statement of the total duty paid and that paid by utilization of CENVAT credit, on each category of goods specified in the said Table and cleared under this notification, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 7<sup>th</sup> of the next month in which the duty has been paid;

(b) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification as may be deemed necessary, shall refund the duty payable on value addition, computed in the manner as specified in paragraph 2 to the manufacturer by the 15<sup>th</sup> of the month following the one in which the statement as at clause (a) above has been submitted.

2C Notwithstanding anything contained in sub-paragraph 2B above,-

(a) the manufacturer at his own option, may take credit of the amount calculated in the manner specified in paragraph 2 in his account current, maintained in terms of the Excise Manual of Supplementary Instructions issued by the Central Board of Excise and Customs. Such amount credited in the account current may be utilized by the manufacturer for payment of duty, in the manner specified under rule 8 of the Central Excise Rules, 2004, in subsequent months, and such payment shall be deemed to be payment in cash;

(b) the credit of the refund amount may be taken by the manufacturer in his account current, by the 7<sup>th</sup> of the month following the month under consideration;

- (c) a manufacturer who intends to avail the option under clause (a) shall exercise his option in writing for availing such option before effecting the first clearance in any financial year and such option shall be effective from the date of exercise of the option and shall not be withdrawn during the remaining part of the financial year;
- (d) the manufacturer shall submit a statement of the total duty payable as well as the duty paid by utilization of CENVAT credit or otherwise and the credit taken as per clause (a), on each category of goods manufactured and cleared under the notification and specified in the said Table, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 15<sup>th</sup> of the month in which the credit has been so taken;
- (e) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification, as may be deemed necessary, shall determine the amount correctly refundable to the manufacturer and intimate to the manufacturer by the 15th day of the next month to the month in which the statement under clause (d) has been submitted. In case the credit taken by the manufacturer is in excess of the amount determined, the manufacturer shall, within five days from the receipt of the intimation, reverse the said excess credit from the account current maintained by him. In case, the credit taken by the manufacturer is less than the amount of refund determined, the manufacturer shall be eligible to take credit of the balance amount;
- (f) in case the manufacturer fails to comply with the provisions of clauses (a) to (e), he shall forfeit the option, to take credit of the amount calculated in the manner specified in subparagraph 2 in his account current on his own, as provided for in clauses (a) to (c);
- (g) the amount of the credit availed irregularly or availed of in excess of the amount determined correctly refundable under clause (e) and not reversed by the manufacturer within the period specified therein, shall be recoverable as if it is a recovery of duty of excise erroneously refunded. In case such irregular or excess credit is utilised for payment of excise duty on clearances of excisable goods, the said goods shall be considered to have been cleared without payment of duty to the extent of utilisation of such irregular or excess credit.

*Explanation.*—For the purposes of this paragraph, duty paid by utilisation of the amount credited in the account current, shall be taken as payment of duty by way other than utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2004.

- 2.1 (1) Notwithstanding anything contained in paragraph 2, the manufacturer shall have the option not to avail the rates specified in the said Table and apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, having jurisdiction over

the manufacturing unit of the manufacturer for fixation of a special rate representing the actual value addition in respect of any goods manufactured and cleared under this notification, if the manufacturer finds that four-fifths of the ratio of actual value addition in the production or manufacture of the said goods to the value of the said goods, is more than the rate specified in the said Table expressed as a percentage. For the said purpose, the manufacturer may, within sixty days from the beginning of a financial year, make an application in writing to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, for determination of such special rate, stating all relevant facts including the proportion in which the materials or components are used in the production or manufacture of goods:

Provided that the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise may, if he is satisfied that the manufacturer was prevented by sufficient cause from making the application within the aforesaid time, allow such manufacturer to make the application within a further period of thirty days:

Provided further that the manufacturer supports his claim for a special rate with a certificate from his statutory auditor containing an estimate of value addition in the case of goods for which a claim is made, based on the audited balance sheet of the unit, for the preceding financial year;

(2) On receipt of the application referred to in sub-paragraph (1), the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, after making or causing to be made such inquiry as he deems fit, shall fix the special rate within a period of six months of such application;

(3) Where the manufacturer desires that he may be granted refund provisionally till the time the special rate is fixed, he may, while making the application, apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, in writing for grant of provisional refund at the rate specified in column (4) of the said Table for the goods of description specified in column (3) of the said Table and falling in Chapter of the First Schedule of the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) as in corresponding entry in column (2) of the said Table, and on finalization of the special rate, necessary adjustments be made in the subsequent refunds admissible to the manufacturer in the month following the fixation of such special rate.

(4) Where the Central Government considers it necessary so to do, it may-

(a) revoke the special rate or amount of refund as determined under sub-paragraph (2) by the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, or

(b) direct the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, to withdraw the rate so fixed.

*Explanation:* For the purpose of this paragraph, the actual value addition in respect of said goods shall be calculated on the basis of the financial records of the preceding financial year, taking into account the following:

- (i) Sale value of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods;
- (ii) Less: Cost of raw materials and packing material consumed in the said goods;
- (iii) Less: Cost of fuel consumed if eligible for input credit under CENVAT Credit Rules, 2004;
- (iv) Plus: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year;
- (v) Less: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year preceding that under consideration.

Special rate would be the ratio of actual value addition in the production or manufacture of the said goods to the sale value of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods.

(5) The manufacturer shall be entitled to refund at the special rate fixed under sub-paragraph (2) in respect of all clearances of excisable goods manufactured and cleared under this notification with effect from the date on which the application referred to at sub-paragraph (1) was filed with the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Central Excise and Customs, as the case may be.

(6) Where a special rate is fixed under sub-paragraph (2), the refund payable in a month shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on such excisable goods, at the rate so fixed:

Provided that the refund shall not exceed the amount of duty paid on such goods, other than by utilization of CENVAT credit.'

2. This notification shall come into force with effect from the 1<sup>st</sup> day of April, 2008.

[F No.334/1/2008-TRU]

S. BAJAJ, Under Secy.

**Note:**—The principal notification No. 56/2002-Central Excise, dated 14<sup>th</sup> November, 2002 was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 764 (E), dated the 14<sup>th</sup> November, 2002 and was last amended vide notification no. 34/2005-Central Excise, dated 30<sup>th</sup> September, 2005 published vide number G.S.R. 618 (E), dated the 30<sup>th</sup> September, 2005.



## अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मार्च, 2008

सं. 20/2008-के.उ.शु.

**सा.का.नि. 225(अ).—**केन्द्रीय उत्पाद शुल्क 1944 (1944 का 1) की धारा 5-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, यह संतुष्टि होने पर कि ऐसा करना लोक हित में है, एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 20/2007-के.उ.शु. दिनांक 25 अप्रैल, 2007 जो भारत के असाधारण राजपत्र में सा.का.नि. संख्या 307 (अ), दिनांक 25 अप्रैल, 2007 में प्रकाशित किया गया था, में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :-

उपर्युक्त अधिसूचना में, -

(i) प्रस्तावना में, 'सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अंतर्गत सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा किए गए शुल्क की राशि के अलावा माल के विनिर्माता द्वारा अदा किए गए शुल्क की राशि' शब्दों के लिए 'उपर्युक्त यूनिट द्वारा उक्त माल के विनिर्माण में लिए गए मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(ii) पैराग्राफ 2, 3 और 4 के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

'2क. इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' निम्न तालिका के कॉलम (3) में निर्दिष्ट विवरण के उपरोक्त उत्पाद शुल्कीय माल पर देय कुल शुल्क के प्रतिशत के रूप में और उपरोक्त पहली अनुसूची के अध्याय के अंतर्गत आने वाले जो उपरोक्त तालिका के कॉलम (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में दिए गए हैं, उपर्युक्त तालिका के कॉलम (4) में तत्स्थानी प्रविष्टि में निर्दिष्ट दरों पर परिकलित राशि के बराबर होगा :-

## तालिका

क्रमांक	पहली अनुसूची का अध्याय	माल का विवरण	दर
1.	2.	3.	4.
1.	29	सभी माल	29
2.	30	सभी माल	56
3.	33	सभी माल	56
4.	34	सभी माल	38
5.	38	सभी माल	34
6.	39	सभी माल	26
7.	40	टॉयर, ट्यूबस और फलेपस्	41
8.	72 अथवा 73	सभी माल	39
9.	74	सभी माल	15
10.	76	सभी माल	36
11.	85	इलेक्ट्रिक मोटर्स और जनरेटर्स, विद्युत उत्पाद करने वाला सेट और उसके पुर्जे	31
12.	कोई अध्याय	उपर्युक्त मदों के अलावा अन्य कोई मद	36

बशर्ते कि जहां 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' उस माह के दौरान सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा की गई राशि के अलावा उपर्युक्त उत्पाद शुल्कीय माल पर निर्माता द्वारा अदा किए गए शुल्क से अधिक होता है, तब 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' सेनवेट क्रेडिट के अलावा अदा किए गए शुल्क के बराबर समझा जाएगा।

2ख. उन मामलों में, जहां विनिर्माता द्वारा उत्पादित सभी माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट के लिए पात्र हैं, इस अधिसूचना में उल्लिखित छूट इस शर्त के अधीन होगी कि निर्माता ऐसे माह के दौरान स्वीकृत माल पर शुल्क के भुगतान के लिए विचाराधीन माह के आखिर दिन को उनको उपलब्ध पूरे सेनवेट क्रेडिट का उपयोग करेगा और केवल शेष राशि का भुगतान नकद रूप से करता है।

2ग. इस अधिसूचना में उल्लिखित छूट निम्नलिखित रूप से प्रभावी होगी अर्थात् :-

(क) निर्माता, इस तालिका में विनिर्दिष्ट माल और इस अधिसूचना के अंतर्गत स्वीकृत माल पर सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा किए गए कुल शुल्क के विवरण सहायक आयुक्त अथवा उपर्युक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को, जैसा भी मामला हो, अगले माह की 7 तारीख तक प्रस्तुत करेंगे, जिसमें शुल्क का भुगतान किया गया है।

(ख) सहायक आयुक्त अथवा उपर्युक्त, के.उ.शु. जैसा भी मामला होगा, ऐसे सत्यापन के पश्चात् जो कि आवश्यक समझा गया है, उपरोक्त पैराग्राफ (2) में विनिर्दिष्ट पद्धति से परिकल्पित किए गए मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क निर्माता को उस माह, जिसमें उपर्युक्त पैराग्राफ (क) पर विवरण प्रस्तुत किया गया है, के पश्चात् आने वाले माह की 15 तारीख तक वापिस करेंगे।

2घ. उपर्युक्त उप-पैरा 2ग में उल्लिखित किसी भी बात के होते हुए :-

(क) निर्माता, अपने विकल्प पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क द्वारा जारी किए गए अनुपूरक अनुदेशों के उत्पाद शुल्क नियमावली के संदर्भ में रखे गए उनके चालू खाते में पैराग्राफ 2 क में विनिर्धारित पद्धति से परिकल्पित राशि का क्रेडिट ले सकते हैं। तदवर्ती महीनों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2004 के नियम 8 के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट तरीके से शुल्क के भुगतान के लिए विनिर्माता द्वारा चालू खाते में क्रेडिट की गई ऐसी राशि का उपयोग किया जा सकता है और ऐसे भुगतान को नकद भुगतान माना जाना चाहिए।

(ख) विचाराधीन माह के बाद तदवर्ती माह की 7 तारीख तक विनिर्माता द्वारा उस के चालू खाते में वापिसी राशि के क्रेडिट को लिया जा सकता है।

(ग) कोई विनिर्माता जो खण्ड (क) के अन्तर्गत विकल्प लेना चाहता है वह किसी वित्तीय वर्ष में पहली निकासी करने से पहले ऐसे विकल्प को प्राप्त करने के लिए लिखित में अपने विकल्प देगा और ऐसा विकल्प उस के लागू होने की तारीख से प्रभावी होगा और इसे वित्तीय वर्ष के सड़ भाग के दौरान वापिस नहीं लिया जा सकेगा।

(घ) विनिर्माता, जिस महीने में उस ने शुल्क अदा किया है, उसके अगले महीने की सात तारीख तक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक आयुक्त या उपर्युक्त का जैसा भी मामला हो कगशः उस अधिसूचना के तहत निकासी किए गए तथा सारजी में विनिर्दिष्ट माह की प्रत्येक श्रेणी पर देय कुल शुल्क तथा सेनवेट क्रेडिट का उपयोग करके अदा किए गए या नकद में अदा किए गए शुल्क का एक विवरण प्रस्तुत करेंगे।

(ड.) सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या उपायुक्त केन्द्रीय उत्पादशुल्क, जैसा भी मामला हो, ऐसी जांच पड़ताल के बाद जैसा भी जरूरी समझा जाए, विनिर्माता को सही रूप से वापसी योग्य राशि को निर्धारित करेगा तथा विचाराधीन माह के अगले माह के 15वें दिन तक विनिर्माता को इस के बारे में सूचित करेगा। यदि विनिर्माता द्वारा लिया गया क्रेडिट निर्धारित राशि से अधिक है तो विनिर्माता उक्त सूचना की प्राप्ति के पांच दिन के भीतर उस के द्वारा अनुरक्षित उक्त चालू खाते से उस अधिक क्रेडिट को वापस कर देगा। यदि, विनिर्माता द्वारा लिया गया क्रेडिट निर्धारित वापसी की राशि की तुलना में कम है तो विनिर्माता बकाया राशि का क्रेडिट लेने के लिए पात्र होगा ;

(च) यदि विनिर्माता खंड (क) से (ड.) तक के उपबंधों का अनुपालन करने में विफल रहता है तो वह स्वयं ही अपने चालू खाते में उप-पैराग्राफ 2 क में निर्धारित तरीके से परिकलित राशि का क्रेडिट लेने के विकल्प से वंचित हो जाएगा, जैसाकि खण्ड (क) से (ग) में व्यवस्था की गई है ;

(छ) यदि क्रेडिट की राशि अनियमित रूप से प्राप्त की गई है या खंड (ड.) के तहत सही रूप से निर्धारित की गई वापसी योग्य राशि से आधिक्य में प्राप्त की गयी है तथा उस खंड में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर विनिर्माता द्वारा प्रतिवर्तित नहीं की गई है, तो यह वसूली योग्य होगी जैसे कि यह वृद्धिपूर्ण रूप से वापस किए गए उत्पाद शुल्क की वसूली हो। यदि ऐसी अनियमित या अधिक क्रेडिट को उत्पाद शुल्क वस्तुओं की निकासी पर उत्पाद शुल्क के भुगतान के लिए प्रयुक्त किया गया है, तो ऐसे माल को ऐसे अनियमित या अधिक क्रेडिट के उपयोग की सीमा तक शुल्क के भुगतान के बिना निकासी किया गया माना जाना चाहिए।

**स्पष्टीकरण :** इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ, चालू खाते में क्रेडिट की गई राशि के उपयोग द्वारा अदा किए गए शुल्क को सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अन्तर्गत सेनवेट क्रेडिट के उपयोग के अतिरिक्त अन्य तरीके से शुल्क के भुगतान के रूप में लिया जाएगा।

3. (1) उपर्युक्त पैराग्राफ 2 क में अन्तर्निहित किसी प्रावधान के होते हुए भी, विनिर्माता के पास उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दरों का लाभ न लेने तथा इस अधिसूचना के तहत उस के द्वारा विनिर्मित और निकासी किए गए किसी माल के संबंध में वास्तविक मूल्य वृद्धि का प्रतिनिधित्व करने वाली किसी विशेष दर के निर्धारण हेतु विनिर्माता के ऐसे माल के संबंध में आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादशुल्क, जैसा भी मामला हो, के समक्ष आवेदन करने का विकल्प प्राप्त है, जहां ऐसे माल के संबंध में विनिर्माता यह देखता है कि उक्त माल के उत्पादन या विनिर्माण में मूल्य परिवर्धन का अनुपात उक्त माल के मूल्य के चार बड़ा पाँच भाग की तुलना में उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दर से अधिक (प्रतिशत में अभिव्यक्त) है। उक्त प्रयोजनार्थ, विनिर्माता किसी वित्तीय वर्ष के आरंभ होने के साठ दिनों के भीतर माल के उत्पादन या विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों या संघटकों के अनुपात सहित सभी प्रासंगिक तथ्यों को बताते हुए ऐसी विशेष दर के निर्धारण हेतु आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, को लिखित में आवेदन प्रस्तुत करेगा ;

बशर्ते कि आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, यदि वे इस बात से संतुष्ट हैं कि विनिर्माता को उक्त समय के भीतर पर्याप्त कारणों से आवेदन करने से रोका गया था, तो वे ऐसे विनिर्माता को तीस दिनों की और अवधि के भीतर ऐसा आवेदन करने के लिए अनुमति प्रदान कर सकते हैं ;

बशर्ते यह भी कि विनिर्माता अपने सांविधि लेखा परीक्षक से प्रमाणपत्र द्वारा किसी विशेष दर के लिए अपने दावे का समर्थन कर सकता है, जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष के लिए युनिट की लेखा परीक्षित बैलेंसशीट पर के आधार पर, उस माल के मामले में, जिसके लिए दावा किया गया है, मूल्य परिवर्धन का अनुमान अन्तर्निहित है।

(2) उपर्युक्त के संबंध में आवेदन की प्राप्ति पर आयुक्त, केन्द्रीय उत्पादशुल्क या आयुक्त सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, ऐसी जांच पड़ताल करने या किए जाने के लिए प्रेरित करने के बाद, जैसा भी वे उचित समझें, ऐसे आवेदन के छह महीने की अवधि के भीतर विशेष दर के निर्धारण की अनुमति प्रदान कर सकते हैं।

(3) जहां विनिर्माता यह इच्छा रखता है कि विशिष्ट दर निर्धारित किए जाने तक उसे अस्थायी रूप से वापसी स्वीकृत की जाए, वहां वह आवेदन करते समय, कॉलम (3) में विनिर्दिष्ट तथा उक्त पहली अनुसूची के अध्याय में आने वाले माल के विवरण जैसा कि उक्त सारणी के कॉलम (2) में तदनुरूपी प्रविष्टि में निहित है, के लिए उपर्युक्त पैराग्राफ 2 क में सारणी के कॉलम (4) में निर्दिष्ट दर पर अस्थायी वापसी की मंजूरी के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, को लिखित में आवेदन कर सकता है, तथा विशिष्ट दर को अंतिम रूप दिए जाने पर ऐसी विशिष्ट दर के निर्धारण के आगामी माह में विनिर्माता को स्वीकार्य परवर्ती वापसियों में आवश्यक समायोजन किए जाएं ;

(4) जहां केन्द्र सरकार इसे ऐसा करना आवश्यक समझती हो, वहां वह

- (क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, के द्वारा उपर्युक्त उप-पैराग्राफ (2) के तहत निर्धारित वापसी की राशि अथवा विशिष्ट दर को लागू कर सकती है ; अथवा
- (ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, को इस तरह निर्धारित किए गए दर को वापस लेने के लिए निदेश दे सकती है।

स्पष्टीकरण : इस पैराग्राफ के प्रयोजनार्थ, किसी माल के संबंध में मूल्य संबंधन को निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के वित्तीय अभिलेखों के आधार पर आकलित किया जाएगा :

- (i) माल पर प्रदत्त कथित माल का बिक्री मूल्य जिसमें उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर तथा अन्य अप्रत्यक्ष कर, यदि कोई हों, शामिल न हो ;
  - (ii) घटा : उपभुक्त माल में से कच्ची सामग्रियों एवं पैकिंग सामग्रियों की लागत ;
  - (iii) घटा : उपभुक्त ईंधन की लागत, यदि सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के तहत निवेश क्रेडिट के लिए पात्र हो ;
  - (iv) जमा : सम्पत्ति इकाई की सूची के रूप में प्राप्य कथित माल का मूल्य जो वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर समाशोधित न हो ;
  - (v) घटा : सम्पत्ति सूची के रूप में उपलब्ध कथित माल का मूल्य परन्तु जो उस विचाराधीन पूर्ववर्ती वर्ष की समाप्ति पर समाशोधित न हो।
- विशिष्ट दर उक्त माल पर वास्तविक मूल्य परिवर्धन तथा कथित माल का बिक्री मूल्य जिसमें उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर तथा अन्य अप्रत्यक्ष कर, यदि कोई हों, शामिल न हो, का अनुपात होगा।

(5) विनिर्माता, उस तारीख से जिस तारीख का उपर्युक्त आवेदन आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क के सामने जैसा भी मामला हो, रखा गया था : उसके द्वारा तैयार किए गए तथा निकालित उत्पाद शुल्कीय माल की समस्त निकासियों के संबंध में इस तरह निर्धारित विशेष दर पर वापसी का हकदार होगा।

(6) जहां किसी विशिष्ट दर को इस तरह निर्धारित किया जाता है, वहां उस माह में देय वापसी इस तरह निर्धारित किए गए दर पर ऐसे उत्पाद शुल्कीय माल पर देय कुल शुल्क के प्रतिशत के रूप में आकलित राशि के बराबर होगी :

बशर्ते कि वापसी, सेनवेट क्रेडिट के उपयोग से भिन्न ऐसे माल पर प्रदत्त शुल्क राशि से अधिक नहीं होगी ।

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2008 से प्रभावी होगी ।

[फा. सं. 334/1/2008-टी.आर.यू.]

एस. बजाज, अवर सचिव

**टिप्पणी :—** दिनांक 25 अप्रैल, 2007 की मूल अधिसूचना सं. 20/2007 - केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 25 अप्रैल, 2007 की सा. का. नि. सं. 307 (अ) के तहत प्रकाशित किया गया था ।

### NOTIFICATION

New Delhi, the 27th March, 2008

No. 20/2008-Central Excise

**G.S.R. 225(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 20/2007-Central Excise, dated the 25<sup>th</sup> April, 2007 which was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R.307(E) dated the 25<sup>th</sup> April, 2007, namely:-

In the said notification,-

- (I) in the preamble, for the words and figures, "to the amount of duty paid by the manufacturer of goods other than the amount of duty paid by utilization of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2004", the words "to the duty payable on value addition undertaken in the manufacture of the said goods by the said unit" shall be substituted;
- (II) for paragraphs 2, 3 and 4, the following shall be substituted, namely:-

'2A. The duty payable on value addition shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on the said excisable goods of the description specified in column (3) of the Table below (hereinafter referred to as the said Table) and falling within the Chapter of the said First Schedule as are given in the corresponding entry in column (2) of the said Table, at the rates specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table:

TABLE

S.No.	Chapter of the First Schedule	Description of goods	Rate
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	29	All goods	29
2.	30	All goods	56
3.	33	All goods	56
4.	34	All goods	38
5.	38	All goods	34
6.	39	All goods	26
7.	40	Tyres, tubes and flaps	41
8.	72 or 73	All goods	39
9.	74	All goods	15
10.	76	All goods	36
11.	85	Electric motors and generators, electric generating sets and parts thereof	31
12.	Any chapter	Goods other than those mentioned above	36

Provided that where the duty payable on value addition exceeds the duty paid by the manufacturer on the said goods, other than the amount paid by utilization of CENVAT credit during the month, the duty payable on value addition, shall be deemed to be equal to the duty so paid other than by CENVAT credit.

2B. In cases where all the goods produced by a manufacturer are eligible for exemption under this notification, the exemption contained in this notification shall be subject to the condition that the manufacturer first utilizes whole of the CENVAT credit available to him on the last day of the month under consideration for payment of duty on goods cleared during such month and pays only the balance amount in cash.

2C. The exemption contained in this notification shall be given effect to in the following manner, namely:-

(a) the manufacturer shall submit a statement of the total duty paid and that paid by utilization of CENVAT credit, on each category of goods specified in the said Table and cleared under this notification, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 7<sup>th</sup> of the next month in which the duty has been paid;

(b) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification as may be deemed necessary, shall refund the duty payable on value addition, computed in the manner as specified in paragraph 2A above to the manufacturer by the 15<sup>th</sup> of the month following the one in which the statement as at clause (a) above has been submitted.

2D. Notwithstanding anything contained in sub-paragraph 2C,-

- (a) the manufacturer at his own option, may take credit of the amount calculated in the manner specified in paragraph 2A in his account current, maintained in terms of the Excise Manual of Supplementary Instructions issued by the Central Board of Excise and Customs. Such amount credited in the account current may be utilized by the manufacturer for payment of duty, in the manner specified under rule 8 of the Central Excise Rules, 2004, in subsequent months, and such payment shall be deemed to be payment in cash;
- (b) the credit of the refund amount may be taken by the manufacturer in his account current, by the 7<sup>th</sup> of the month following the month under consideration;
- (c) a manufacturer who intends to avail the option under clause (a) shall exercise his option in writing for availing such option before effecting the first clearance in any financial year and such option shall be effective from the date of exercise of the option and shall not be withdrawn during the remaining part of the financial year;
- (d) the manufacturer shall submit a statement of the total duty payable as well as the duty paid by utilization of CENVAT credit or otherwise and the credit taken as per clause (a), on each category of goods manufactured and cleared under the notification and specified in the said Table, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 15<sup>th</sup> of the month in which the credit has been so taken;
- (e) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification, as may be deemed necessary, shall determine the amount correctly refundable to the manufacturer and intimate to the manufacturer by the 15<sup>th</sup> day of the next month to the month in which the statement under clause (d) has been submitted. In case the credit taken by the manufacturer is in excess of the amount determined, the manufacturer shall, within five days from the receipt of the intimation, reverse the said excess credit from the account current maintained by him. In case, the credit taken by the manufacturer is less than the amount of refund determined, the manufacturer shall be eligible to take credit of the balance amount;

(f) in case the manufacturer fails to comply with the provisions of clauses (a) to (e), he shall forfeit the option, to take credit of the amount calculated in the manner specified in subparagraph 2A in his account current on his own, as provided for in clauses (a) to (c);

(g) the amount of the credit availed irregularly or availed of in excess of the amount determined correctly refundable under clause (e) and not reversed by the manufacturer within the period specified therein, shall be recoverable as if it is a recovery of duty of excise erroneously refunded. In case such irregular or excess credit is utilised for payment of excise duty on clearances of excisable goods, the said goods shall be considered to have been cleared without payment of duty to the extent of utilisation of such irregular or excess credit.

*Explanation.*—For the purposes of this paragraph, duty paid by utilisation of the amount credited in the account current, shall be taken as payment of duty by way other than utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2004.

3. (1) Notwithstanding anything contained in paragraph 2A, the manufacturer shall have the option not to avail the rates specified in the said Table and apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, having jurisdiction over the manufacturing unit of the manufacturer for fixation of a special rate representing the actual value addition in respect of any goods manufactured and cleared under this notification, if the manufacturer finds that four-fifths of the ratio of actual value addition in the production or manufacture of the said goods to the value of the said goods, is more than the rate specified in the said Table expressed as a percentage. For the said purpose, the manufacturer may, within sixty days from the beginning of a financial year, make an application in writing to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, for determination of such special rate, stating all relevant facts including the proportion in which the materials or components are used in the production or manufacture of goods:

Provided that the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise may, if he is satisfied that the manufacturer was prevented by sufficient cause from making the application within the aforesaid time, allow such manufacturer to make the application within a further period of thirty days:



Provided further that the manufacturer supports his claim for a special rate with a certificate from his statutory auditor containing an estimate of value addition in the case of goods for which a claim is made, based on the audited balance sheet of the unit, for the preceding financial year;

(2) On receipt of the application referred to in sub-paragraph (1), the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, after making or causing to be made such inquiry as he deems fit, shall fix the special rate within a period of six months of such application;

(3) Where the manufacturer desires that he may be granted refund provisionally till the time the special rate is fixed, he may, while making the application, apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, in writing for grant of provisional refund at the rate specified in column (4) of the said Table for the goods of description specified in column (3) of the said Table and falling in Chapter of the First Schedule of the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) as in corresponding entry in column (2) of the said Table, and on finalization of the special rate, necessary adjustments be made in the subsequent refunds admissible to the manufacturer in the month following the fixation of such special rate.

(4) Where the Central Government considers it necessary so to do, it may-

(a) revoke the special rate or amount of refund as determined under sub-paragraph (2) by the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, or

(b) direct the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, to withdraw the rate so fixed.

*Explanation:* For the purpose of this paragraph, the actual value addition in respect of said goods shall be calculated on the basis of the financial records of the preceding financial year, taking into account the following:

- (i) Sale value of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods;
- (ii) Less: Cost of raw materials and packing material consumed in the said goods;
- (iii) Less: Cost of fuel consumed if eligible for input credit under CENVAT Credit Rules, 2004;
- (iv) Plus: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year;

- (v) Less: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year preceding that under consideration.

Special rate would be the ratio of actual value addition in the production or manufacture of the said goods to the sale value of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods.

(5) The manufacturer shall be entitled to refund at the special rate fixed under sub-paragraph (2) in respect of all clearances of excisable goods manufactured and cleared under this notification with effect from the date on which the application referred to at sub-paragraph (1) was filed with the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Central Excise and Customs, as the case may be.

(6) Where a special rate is fixed under sub-paragraph (2), the refund payable in a month shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on excisable goods, at the rate so fixed:

Provided that the refund shall not exceed the amount of duty paid on such goods, other than by utilization of CENVAT credit.'

2. This notification shall come into force with effect from the 1<sup>st</sup> day of April, 2008.

[F.No. 334/1/2008-TRU]

S. BAJAJ, Under Secy.

**Note:—**The principal notification No. 20/2007-Central Excise, dated 25<sup>th</sup> April, 2007 was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R.307(E), dated the 25<sup>th</sup> April, 2007.

#### अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मार्च, 2008

सं. 21/2008-के.उ.शु.

**सा.का.नि. 226(अ).—**केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (टैक्सटाइल और टैक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 56/2003-के.उ.शु. दिनांक 25 जून, 2003 भारत के असाधारण राजपत्र में सं. 513(अ), दिनांक 25 जून, 2003 में प्रकाशित किया गया था, के निम्नलिखित अर्थों में अर्थात् :-

उपर्युक्त अधिसूचना में, -

(i) प्रस्तावना में 'सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अंतर्गत सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा किए गए शुल्क की राशि के अलावा माल के विनिर्माता द्वारा अदा किए गए शुल्क की राशि शब्दों के लिए 'उपर्युक्त यूनिट द्वारा उक्त माल के विनिर्माण में लिए गए मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(ii) पैराग्राफ 1क, 2 और 2क लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात :-

'2. इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' निम्न तालिका के कॉलम (3) में निर्दिष्ट विवरण के उपरोक्त उत्पाद शुल्कीय माल पर देय कुल शुल्क के प्रतिशत के रूप में और उपरोक्त पहली अनुसूची के अध्याय के अंतर्गत आने वाले जो उपरोक्त तालिका के कॉलम (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में दिए गए हैं, उपर्युक्त तालिका के कॉलम (4) में तत्स्थानी प्रविष्टि में निर्दिष्ट दरों पर परिकलित राशि के बराबर होगा :-

तालिका

क्रमांक	पहली अनुसूची का अध्याय	माल का विवरण	दर
1.	2.	3.	4.
1.	29	सभी माल	29
2.	30	सभी माल	56
3.	33	सभी माल	56
4.	34	सभी माल	38
5.	38	सभी माल	34
6.	39	सभी माल	26
7.	40	टॉयर, ट्यूबस और फ्लेपर्स	41
8.	72 अथवा 73	सभी माल	39
9.	74	सभी माल	15
10.	76	सभी माल	36
11.	85	इलेक्ट्रिक मोटर्स और जनरेटर्स, विद्युत उत्पाद करने वाला सेट और उसके पुर्जे	31
12.	कोई अध्याय	उपर्युक्त मदों के अलावा अन्य कोई मद	36

बशर्ते कि जहां 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' उस माह के दौरान सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा की गई राशि के अलावा उपर्युक्त उत्पाद शुल्कीय माल पर निर्माता द्वारा अदा किए गए शुल्क से अधिक होता है, तब 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' सेनवेट क्रेडिट के अलावा अदा किए गए शुल्क के बराबर समझा जाएगा ।

2क उन मामलों में, जहां विनिर्माता द्वारा उत्पादित सभी माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट के लिए पात्र हैं, इस अधिसूचना में उल्लिखित छूट इस शर्त के अधीन होगी कि निर्माता ऐसे माह के दौरान रवीकृत माल पर शुल्क के भुगतान के लिए विचाराधीन माह के आखिर दिन को उनको उपलब्ध पूरे सेनवेट क्रेडिट का उपयोग करेगा और केवल शेष राशि का भुगतान नकद रूप से करता है ।

न में उल्लिखित छूट निम्नलिखित रूप से प्रभावी होगी अर्थात् :-

इस तालिका में विनिर्दिष्ट माल और इस अधिसूचना के अंतर्गत स्वीकृत कर के उपर्युक्त द्वारा अदा किए गए कुल शुल्क के विवरण सहायक आयुक्त या उपायुक्त शुल्क को, जैसा भी मामला हो, अगले माह की 7 तारीख तक शुल्क का भुगतान किया गया है।

अथवा उपर्युक्त, के.उ.शु. जैसा भी मामला होगा, ऐसे सत्यापन आवश्यक समझा गया है, उपरोक्त पैराग्राफ (2) में विनिर्दिष्ट पद्धति से शुल्क संबंधित पर देय शुल्क निर्माता को उस माह, जिसमें उपर्युक्त पैराग्राफ में किया गया है, के पश्चात् आने वाले माह की 15 तारीख तक वापिस

में उल्लिखित किसी भी बात के होते हुए :-

उक्त विकल्प पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क द्वारा जारी किए गए अनुपूरक नियमावली के संदर्भ में रखे गए उनके चालू खाते में पैराग्राफ 2 विनिर्धारित क्रेडिट ले सकता है। तदवर्ती महीनों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, निर्धारित विनिर्दिष्ट तरीके से शुल्क के भुगतान के लिए विनिर्माता द्वारा चालू खाते में शुल्क का उपयोग किया जा सकता है और ऐसे भुगतान को नकद भुगतान माना

जाएगा तदवर्ती माह की 7 तारीख तक विनिर्माता द्वारा उस के चालू खाते में दिया जा सकता है :

पैराग्राफ (क) के अन्तर्गत विकल्प लेना चाहता है वह किसी वित्तीय वर्ष में उसे ऐसे विकल्प को प्राप्त करने के लिए लिखित में अपने विकल्प देगा और होने की तारीख से प्रभावी होगा और इसे वित्तीय वर्ष के शेष भाग के दौरान लागू रहेगा।

यदि उस ने शुल्क अदा किया है, उसके अगले महीने की सात तारीख तक अथवा आयुक्त या उपायुक्त को जैसा भी मामला हो क्रमशः उस अधिसूचना के प्रावधानों में विनिर्दिष्ट माल की प्रत्येक श्रेणी पर देय कुल शुल्क तथा सेनवेट अदा किए गए या नकद में अदा किए गए शुल्क का एक विवरण प्रस्तुत करेगा; केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या उपायुक्त केन्द्रीय उत्पादशुल्क, जैसा भी मामला हो, परत भी जरूरी समझा जाए, विनिर्माता को सही रूप से वापसी योग्य राशि को 15 दिनों के अगले माह के 15वें दिन तक विनिर्माता को इस के बारे में सूचित किया गया क्रेडिट निर्धारित राशि से अधिक है तो विनिर्माता उक्त सूचना की उस के द्वारा अनुरोधित उक्त चालू खाते से उस अधिक क्रेडिट को वापस कर लिया गया क्रेडिट निर्धारित वापसी की राशि की तुलना में कम है तो शेष लेने के लिए पात्र होगा :

यदि वह (क) तक के उपबंधों का अनुपालन करने में विफल रहता है तो वह पैराग्राफ 2 क में निर्धारित तरीके से परिकल्पित राशि का क्रेडिट लेने के लिए पैराग्राफ (क) से (ग) में व्यवस्था की गई है :

(छ) यदि क्रेडिट की राशि अनियमित रूप से प्राप्त की गई है या खंड (ड.) के तहत सही रूप से निर्धारित की गई वापसी योग्य राशि से आधिक्य में प्राप्त की गयी है तथा उस खंड में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर विनिर्माता द्वारा प्रतिवर्तित नहीं की गई है, तो यह वसूली योग्य होगी जैसे कि यह त्रुटिपूर्ण रूप से वापस किए गए उत्पाद शुल्क की वसूली हो। यदि ऐसी अनियमित या अधिक क्रेडिट को उत्पाद शुल्क वस्तुओं की निकासी पर उत्पाद शुल्क के भुगतान के लिए प्रयुक्त किया गया है, तो ऐसे माल को ऐसे अनियमित या अधिक क्रेडिट के उपयोग की सीमा तक शुल्क के भुगतान के बिना निकासी किया गया माना जाना चाहिए।

**स्पष्टीकरण :** इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ, चालू खाते में क्रेडिट की गई राशि के उपयोग द्वारा अदा किए गए शुल्क को सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अन्तर्गत सेनवेट क्रेडिट के उपयोग के अतिरिक्त अन्य तरीके से शुल्क के भुगतान के रूप में लिया जाएगा।

2.1 उपर्युक्त पैराग्राफ 2 में अन्तर्निहित किसी प्रावधान के होते हुए भी, विनिर्माता के पास उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दरों का लाभ न लेने तथा इस अधिसूचना के तहत उस के द्वारा विनिर्मित और निकासी किए गए किसी माल के संबंध में वास्तविक मूल्य वृद्धि का प्रतिनिधित्व करने वाली किसी विशेष दर के निर्धारण हेतु विनिर्माता के ऐसे माल के संबंध में आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादशुल्क, जैसा भी मामला हो, के समक्ष आवेदन करने का विकल्प प्राप्त है, जहां ऐसे माल के संबंध में विनिर्माता यह देखता है कि उक्त माल के उत्पादन या विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्री या संघटकों पर मूल्य परिवर्धन का अनुपात उक्त वस्तुओं के मूल्य के चार बट्टा पाँच भाग की तुलना में उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दर से अधिक (प्रतिशत में अभिव्यक्त) है। उक्त प्रयोजनार्थ, विनिर्माता किसी वित्तीय वर्ष के आरंभ होने के साठ दिनों के भीतर माल के उत्पादन या विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों या संघटकों के अनुपात सहित सभी प्रासंगिक तथ्यों को बताते हुए ऐसी विशेष दर के निर्धारण हेतु आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, को लिखित में आवेदन प्रस्तुत करेगा ;

बशर्ते कि आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, यदि वे इस बात से संतुष्ट हैं कि विनिर्माता को उक्त समय के भीतर पर्याप्त कारणों से आवेदन करने से रोका गया था, तो वे ऐसे विनिर्माता को तीस दिनों की और अवधि के भीतर ऐसा आवेदन करने के लिए अनुमति प्रदान कर सकते हैं ;

बशर्ते यह भी कि विनिर्माता अपने सांविधि लेखा परीक्षक से प्रमाणपत्र द्वारा किसी विशेष दर के लिए अपने दावे का समर्थन कर सकता है, जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष के लिए युनिट की लेखा परीक्षित बैलेंसशीट पर के आधार पर, उस माल के मामले में, जिसके लिए दावा किया गया है, मूल्य परिवर्धन का अनुमान अन्तर्निहित है।

(2) उपर्युक्त के संबंध में आवेदन की प्राप्ति पर आयुक्त, केन्द्रीय उत्पादशुल्क या आयुक्त सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, ऐसी जांच पड़ताल करने या किए जाने के लिए प्रेरित करने के बाद, जैसा भी वे उचित समझें, ऐसे आवेदन के छह महीने की अवधि के भीतर विशेष दर के निर्धारण की अनुमति प्रदान कर सकते हैं।

(3) जहां विनिर्माता यह इच्छा रखता है कि विशिष्ट दर निर्धारित किए जाने तक उसे अस्थायी रूप से वापसी स्वीकृत की जाए, वहां वह आवेदन करते समय, कॉलम (3) में विनिर्दिष्ट तथा उक्त पहली अनुसूची के अध्याय में आने वाले माल के विवरण जैसा कि उक्त सारणी के कॉलम (2) में तदनुसूची प्रविष्टि में निहित है, के लिए उपर्युक्त पैराग्राफ 2 क में सारणी के कॉलम (4) में निर्दिष्ट दर पर

अस्थायी वापसी की मंजूरी के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, को लिखित में आवेदन कर सकता है, तथा विशिष्ट दर को अंतिम रूप दिए जाने पर ऐसी विशिष्ट दर के निर्धारण के आगामी माह में विनिर्माता को स्वीकार्य परवर्ती वापसियों में आवश्यक समायोजन किए जाएं ;

(4) जहां केन्द्र सरकार इसे ऐसा करना आवश्यक समझती हो, वहां वह

(क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, के द्वारा उपर्युक्त उप-पैराग्राफ (2) के तहत निर्धारित वापसी की राशि अथवा विशिष्ट दर को लागू कर सकती है ; अथवा

(ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, को इस तरह निर्धारित किए गए दर को वापस लेने के लिए निदेश दे सकती है ।

स्पष्टीकरण : इस पैराग्राफ के प्रयोजनार्थ, किसी माल के संबंध में मूल्य संबंधन को निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के वित्तीय अभिलेखों के आधार पर आकलित किया जाएगा ;

(i) माल पर प्रदत्त कथित माल का बिक्री मूल्य जिसमें उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर तथा अन्य अप्रत्यक्ष कर, यदि कोई हों, शामिल न हो ;

(ii) घटा : उपभुक्त माल में से कच्ची सामग्रियों एवं पैकिंग सामग्रियों की लागत ;

(iii) घटा : उपभुक्त ईंधन की लागत, यदि सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के तहत निवेश क्रेडिट के लिए पात्र हो ;

(iv) जमा : सम्पत्ति इकाई की सूची के रूप में प्राप्य कथित माल का मूल्य जो वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर समाशोधित न हो ;

(v) घटा : सम्पत्ति सूची के रूप में उपलब्ध कथित माल का मूल्य परन्तु जो उस विचाराधीन पूर्ववर्ती वर्ष की समाप्ति पर समाशोधित न हो ।

विशिष्ट दर उक्त माल पर वारसविक मूल्य परिवर्धन तथा कथित माल का बिक्री मूल्य जिसमें उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर तथा अन्य अप्रत्यक्ष कर, यदि कोई हों, शामिल न हो, के अनुपात में होगा ।

(5) विनिर्माता, उस तारीख से जिस तारीख का उपर्युक्त आवेदन आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क के सामने जैसा भी मामला हो, को दावा दायर किया गया था ; उसके द्वारा तैयार किए गए तथा निकासित उत्पाद शुल्कीय माल की समस्त निकासियों के संबंध में इस तरह निर्धारित विशेष दर पर वापसी का हकदार होगा ।

(6) जहां किसी विशिष्ट दर को इस तरह निर्धारित किया जाता है, वहां उस माह में देय वापसी इस तरह निर्धारित किए गए दर पर ऐसे उत्पाद शुल्कीय माल पर देय कुल शुल्क के प्रतिशत के रूप में आकलित राशि के बराबर होगी ;

बशर्ते कि वापसी, सेनवेट क्रेडिट के उपयोग से भिन्न ऐसे माल पर प्रदत्त शुल्क राशि से अधिक नहीं होगी ।'

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2008 से प्रभावी होगी ।

[ फा. सं. 334/1/2008-टी.आर.यू. ]

एस. बजाज, अवर सचिव

**टिप्पणी :—**मूल अधिसूचना सं. 56/2003-के.उ.शु. दिनांक 25 जून, 2003 को भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 25 जून, 2003 की सा. का. नि. सं. 513 (अ) के तहत प्रकाशित किया गया था और उसमें अंतिम संशोधन भारत के राजपत्र, असाधारण की अधिसूचना सं० 21/2007-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 25 अप्रैल, 2007 के सा.का.नि. 308 (अ), तारीख 25 अप्रैल, 2007 द्वारा किया गया था ।

### NOTIFICATION

New Delhi, the 27th March, 2008

#### No. 21/2008-Central Excise

**G.S.R. 226(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textile and Textile Articles) Act, 1978, (40 of 1978) the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 56/2003-Central Excise, dated the 25<sup>th</sup> June, 2003 which was published in the Gazette of India Extraordinary, vide number G.S.R. 513 (E) dated the 25<sup>th</sup> June, 2003, namely:-

In the said notification,-

I In the preamble, for the words and figures, "to the amount of duty paid by the manufacturer of goods other than the amount of duty paid by utilization of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002", the words "to the duty payable on value addition undertaken in the manufacture of the said goods by the said unit" shall be substituted;

II for paragraphs 1A, 2 and 2A the following shall be substituted, namely:-

12 The duty payable on value addition shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on the said excisable goods of the description specified in column (3) of the Table below (hereinafter referred to as the said Table) and falling within the Chapter of the said First Schedule as are given in the corresponding entry in column (2) of the said Table, at the rates specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table:

TABLE

S.No.	Chapter of the First Schedule	Description of goods	Rate
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	29	All goods	29
2.	30	All goods	56

3.	33	All goods	56
4.	34	All goods	38
5.	38	All goods	34
6.	39	All goods	26
7.	40	Tyres, tubes and flaps	41
8.	72 or 73	All goods	39
9.	74	All goods	15
10.	76	All goods	36
11.	85	Electric motors and generators, electric generating sets and parts thereof	31
12.	Any chapter	Goods other than those mentioned above	36:

Provided that where the duty payable on value addition exceeds the duty paid by the manufacturer on the said excisable goods, other than the amount paid by utilization of CENVAT credit during the month, the duty payable on value addition, shall be deemed to be equal to the duty so paid other than by CENVAT credit.

2A In cases where all the goods produced by a manufacturer are eligible for exemption under this notification, the exemption contained in this notification shall be subject to the condition that the manufacturer first utilizes whole of the CENVAT credit available to him on the last day of the month under consideration for payment of duty on goods cleared during such month and pays only the balance amount in cash.

2B The exemption contained in this notification shall be given effect to in the following manner, namely:-

(a) the manufacturer shall submit a statement of the total duty paid and that paid by utilization of CENVAT credit, on each category of goods specified in the said Table and cleared under this notification, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 7<sup>th</sup> of the next month in which the duty has been paid;

(b) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification as may be deemed necessary, shall refund the duty payable on value addition, computed in the manner as specified in paragraph 2 to the manufacturer by the 15<sup>th</sup> of the month following the one in which the statement as at clause (a) above has been submitted.



2C Notwithstanding anything contained in sub-paragraph 2B above,-

- (a) the manufacturer at his own option, may take credit of the amount calculated in the manner specified in paragraph 2 in his account current, maintained in terms of the Excise Manual of Supplementary Instructions issued by the Central Board of Excise and Customs. Such amount credited in the account current may be utilized by the manufacturer for payment of duty, in the manner specified under rule 8 of the Central Excise Rules, 2004, in subsequent months, and such payment shall be deemed to be payment in cash;
- (b) the credit of the refund amount may be taken by the manufacturer in his account current, by the 7<sup>th</sup> of the month following the month under consideration;
- (c) a manufacturer who intends to avail the option under clause (a) shall exercise his option in writing for availing such option before effecting the first clearance in any financial year and such option shall be effective from the date of exercise of the option and shall not be withdrawn during the remaining part of the financial year;
- (d) the manufacturer shall submit a statement of the total duty payable as well as the duty paid by utilization of CENVAT credit or otherwise and the credit taken as per clause (a), on each category of goods manufactured and cleared under the notification and specified in the said Table, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 15<sup>th</sup> of the month in which the credit has been so taken;
- (e) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification, as may be deemed necessary, shall determine the amount correctly refundable to the manufacturer and intimate to the manufacturer by the 15<sup>th</sup> day of the next month to the month in which the statement under clause (d) has been submitted. In case the credit taken by the manufacturer is in excess of the amount determined, the manufacturer shall, within five days from the receipt of the intimation, reverse the said excess credit from the account current maintained by him. In case, the credit taken by the manufacturer is less than the amount of refund determined, the manufacturer shall be eligible to take credit of the balance amount;

(f) in case the manufacturer fails to comply with the provisions of clauses (a) to (e), he shall forfeit the option, to take credit of the amount calculated in the manner specified in sub-paragraph 2 in his account current on his own, as provided for in clauses (a) to (c);

(g) the amount of the credit availed irregularly or availed of in excess of the amount determined correctly refundable under clause (e) and not reversed by the manufacturer within the period specified therein, shall be recoverable as if it is a recovery of duty of excise erroneously refunded. In case such irregular or excess credit is utilised for payment of excise duty on clearances of excisable goods, the said goods shall be considered to have been cleared without payment of duty to the extent of utilisation of such irregular or excess credit.

*Explanation.*—For the purposes of this paragraph, duty paid by utilisation of the amount credited in the account current, shall be taken as payment of duty by way other than utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2004.

- 2.1 (1) Notwithstanding anything contained in paragraph 2, the manufacturer shall have the option not to avail the rates specified in the said Table and apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, having jurisdiction over the manufacturing unit of the manufacturer for fixation of a special rate representing the actual value addition in respect of any goods manufactured and cleared under this notification, if the manufacturer finds that four-fifths of the ratio of actual value addition in the production or manufacture of the said goods to the value of the said goods, is more than the rate specified in the said Table expressed as a percentage. For the said purpose, the manufacturer may, within sixty days from the beginning of a financial year, make an application in writing to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, for determination of such special rate, stating all relevant facts including the proportion in which the materials or components are used in the production or manufacture of goods:

Provided that the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise may, if he is satisfied that the manufacturer was prevented by sufficient cause from making the application within the aforesaid time, allow such manufacturer to make the application within a further period of thirty days:

Provided further that the manufacturer supports his claim for a special rate with a certificate from his statutory auditor containing an estimate of value addition in the case of goods for which a claim is made, based on the audited balance sheet of the unit, for the preceding financial year;

(2) On receipt of the application referred to in sub-paragraph (1), the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, after making or causing to be made such inquiry as he deems fit, shall fix the special rate within a period of six months of such application;

(3) Where the manufacturer desires that he may be granted refund provisionally till the time the special rate is fixed, he may, while making the application, apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, in writing for grant of provisional refund at the rate specified in column (4) of the said Table for the goods of description specified in column (3) of the said Table and falling in Chapter of the First Schedule of the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) as in corresponding entry in column (2) of the said Table, and on finalization of the special rate, necessary adjustments be made in the subsequent refunds admissible to the manufacturer in the month following the fixation of such special rate.

(4) Where the Central Government considers it necessary so to do, it may-

(a) revoke the special rate or amount of refund as determined under sub-paragraph (2) by the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, or

(b) direct the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, to withdraw the rate so fixed.

*Explanation:* For the purpose of this paragraph, the actual value addition in respect of said goods shall be calculated on the basis of the financial records of the preceding financial year, taking into account the following:

- (i) Sale value of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods;
- (ii) Less: Cost of raw materials and packing material consumed in the said goods;
- (iii) Less: Cost of fuel consumed if eligible for input credit under CENVAT Credit Rules, 2004;
- (iv) Plus: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year;

- (v) Less: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year preceding that under consideration.

Special rate would be the ratio of actual value addition in the production or manufacture of the said goods to the sale value of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods.

(5) The manufacturer shall be entitled to refund at the special rate fixed under sub-paragraph (2) in respect of all clearances of excisable goods manufactured and cleared under this notification with effect from the date on which the application referred to at sub-paragraph (1) was filed with the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Central Excise and Customs, as the case may be.

(6) Where a special rate is fixed under sub-paragraph (2), the refund payable in a month shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on such excisable goods, at the rate so fixed:

Provided that the refund shall not exceed the amount of duty paid on such goods, other than by utilization of CENVAT credit.'

2. This notification shall come into force with effect from the 1<sup>st</sup> day of April, 2008.

[F.No.334/1/2008-TRU]

S. BAJAJ, Under Secy.

**Note:—** The principal notification No. 56/2003-Central Excise, dated 25<sup>th</sup> June, 2003 was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 513(E), dated the 25<sup>th</sup> June, 2003 and was last amended vide notification no.21/2007-Central Excise, dated 25<sup>th</sup> April, 2007 published vide number G.S.R. 308(E), dated the 25<sup>th</sup> April, 2007.

#### आधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मार्च, 2008

सं. 22/2008-के.उ.शु.

**सा.का.नि. 227(अ).—**केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (टैक्सटाइल और टैक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 57/2002-के.उ.शु. दिनांक 14 नवम्बर, 2002 भारत के असाधारण राजपत्र में सा.का.नि. संख्या 765 (अ), दिनांक 14 नवम्बर, 2002 में प्रकाशित किया गया था, में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

उपर्युक्त अधिसूचना में,

(i) प्रस्तावना में 'सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004' के अंतर्गत सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा किए गए शुल्क की राशि के अलावा माल के विनिर्माता द्वारा अदा किए गए शुल्क की राशि शब्दों के लिए 'उपर्युक्त यूनिट द्वारा उक्त माल के विनिर्माण में लिए गए मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(ii) पैराग्राफ 1क, 2 और 2क के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

'2. इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' निम्न तालिका के कॉलम (3) में निर्दिष्ट विवरण के उपरोक्त उत्पाद शुल्कीय माल पर देय कुल शुल्क के प्रतिशत के रूप में और उपरोक्त पहली अनुसूची के अध्याय के अंतर्गत आने वाले जो उपरोक्त तालिका के कॉलम (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में दिए गए हैं, उपर्युक्त तालिका के कॉलम (4) में तत्स्थानी प्रविष्टि में निर्दिष्ट दरों पर परिकलित राशि के बराबर होगा :-

तालिका

क्रमांक	पहली अनुसूची का अध्याय	माल का विवरण	दर
1.	2.	3.	4.
1.	29	सभी माल	29
2.	30	सभी माल	56
3.	33	सभी माल	56
4.	34	सभी माल	38
5.	38	सभी माल	34
6.	39	सभी माल	26
7.	40	सभी माल	41
8.	72 अथवा 73	सभी माल	39
9.	74	सभी माल	15
10.	76	सभी माल	36
11.	85	इलेक्ट्रिक मोटर्स और जनरेटर्स, विद्युत उत्पाद करने वाला सेट और उसके पुर्जे	31
12.	कोई अध्याय	उपर्युक्त मदों के अलावा अन्य कोई मद	36

बशर्ते कि जहां 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' उस माह के दौरान सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा की गई राशि के अलावा उपर्युक्त उत्पाद शुल्कीय माल पर निर्माता द्वारा अदा किए गए शुल्क से अधिक होता है, तब 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' सेनवेट क्रेडिट के अलावा अदा किए गए शुल्क के बराबर समझा जाएगा ।

2क. उन मामलों में, जहां विनिर्माता द्वारा उत्पादित सभी माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट के लिए पात्र हैं, इस अधिसूचना में उल्लिखित छूट इस शर्त के अधीन होगी कि निर्माता ऐसे माह के दौरान स्वीकृत माल पर शुल्क के भुगतान के लिए विचाराधीन माह के आखिर दिन को उनको उपलब्ध पूरे सेनवेट क्रेडिट का उपयोग करेगा और केवल शेष राशि का भुगतान नकद रूप से करता है ।

2ख. इस अधिसूचना में उल्लिखित छूट निम्नलिखित रूप से प्रभावी होगी अर्थात् :-

(क) निर्माता, इस तालिका में विनिर्दिष्ट माल और इस अधिसूचना के अंतर्गत स्वीकृत माल पर सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा किए गए कुल शुल्क के विवरण सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को, जैसा भी मामला हो, अगले माह की 7 तारीख तक प्रस्तुत करेंगे, जिसमें शुल्क का भुगतान किया गया है।

(ख) सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, के.उ.शु. जैसा भी मामला होगा, ऐसे स्त्यापन के पश्चात जो कि आवश्यक समझा गया है, उपरोक्त पैराग्राफ (2) में विनिर्दिष्ट पद्धति से परिकलित किए गए मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क निर्माता को उस माह, जिसमें उपर्युक्त पैराग्राफ (क) पर विवरण प्रस्तुत किया गया है, के पश्चात् आने वाले माह की 15 तारीख तक वापिस करेंगे।

2ग. उपर्युक्त उप-पैरा 2ख में उल्लिखित किसी भी बात के होते हुए :-

(क) निर्माता, अपने विकल्प पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क द्वारा जारी किए गए अनुपूरक अनुदेशों के उत्पाद शुल्क नियमावली के संदर्भ में रखे गए उनके चालू खाते में पैराग्राफ 2 क में विनिर्धारित पद्धति से परिकलित राशि का क्रेडिट ले सकता है। तदवर्ती महीनों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2004 के नियम 8 के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट तरीके से शुल्क के भुगतान के लिए विनिर्माता द्वारा चालू खाते में क्रेडिट की गई ऐसी राशि का उपयोग किया जा सकता है और ऐसे भुगतान को नकद भुगतान माना जाना चाहिए।

(ख) विचाराधीन माह के बाद तदवर्ती माह की 7 तारीख तक विनिर्माता द्वारा उस के चालू खाते में वापिसी राशि के क्रेडिट को लिया जा सकता है ;

(ग) कोई विनिर्माता जो खण्ड (क) के अन्तर्गत विकल्प लेना चाहता है वह किसी वित्तीय वर्ष में पहली निकासी करने से पहले ऐसे विकल्प को प्राप्त करने के लिए लिखित में अपने विकल्प देगा और ऐसा विकल्प उस के लागू होने की तारीख से प्रभावी होगा और इसे वित्तीय वर्ष के शेष भाग के दौरान वापिस नहीं लिया जा सकेगा ;

(घ) विनिर्माता, जिस महीने में उस ने शुल्क अदा किया है, उसके अगले महीने की सात तारीख तक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक आयुक्त या उपायुक्त को जैसा भी मामला हो क्रमशः उस अधिसूचना के तहत निकासी किए गए तथा सारणी में विनिर्दिष्ट माल की प्रत्येक श्रेणी पर देय कुल शुल्क तथा सेनवेट क्रेडिट का उपयोग करके अदा किए गए या नकद में अदा किए गए शुल्क का एक विवरण प्रस्तुत करेगा;

(ङ.) सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या उपायुक्त केन्द्रीय उत्पादशुल्क, जैसा भी मामला हो, ऐसी जांच पड़ताल के बाद जैसा भी जरूरी समझा जाए, विनिर्माता को सही रूप से वापसी योग्य राशि को निर्धारित करेगा तथा विचाराधीन माह के अगले माह के 15वें दिन तक विनिर्माता को इस के बारे में सूचित करेगा। यदि विनिर्माता द्वारा लिया गया क्रेडिट निर्धारित राशि से अधिक है तो विनिर्माता उक्त सूचना की प्राप्ति के पांच दिन के भीतर उस के द्वारा अनुरक्षित उक्त चालू खाते से उस अधिक क्रेडिट को वापस कर देगा। यदि, विनिर्माता द्वारा लिया गया क्रेडिट निर्धारित वापसी की राशि की तुलना में कम है तो विनिर्माता बकाया राशि का क्रेडिट लेने के लिए पात्र होगा ;

(च) यदि विनिर्माता खंड (क) से (ङ.) तक के उपबंधों का अनुपालन करने में विफल रहता है तो वह स्वयं ही अपने चालू खाते में उप-पैराग्राफ 2 क में निर्धारित तरीके से परिकलित राशि का क्रेडिट लेने के विकल्प से वंचित हो जाएगा, जैसाकि खण्ड (क) से (ग) में व्यवस्था की गई है ;

(छ) यदि क्रेडिट की राशि अनियमित रूप से प्राप्त की गई है या खंड (ड.) के तहत सही रूप से निर्धारित की गई वापसी योग्य राशि से आधिक्य में प्राप्त की गयी है तथा उस खंड में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर विनिर्माता द्वारा प्रतिवर्तित नहीं की गई है, तो यह वसूली योग्य होगी जैसे कि यह त्रुटिपूर्ण रूप से वापस किए गए उत्पाद शुल्क की वसूली हो। यदि ऐसी अनियमित या अधिक क्रेडिट को उत्पाद शुल्क वस्तुओं की निकासी पर उत्पाद शुल्क के भुगतान के लिए प्रयुक्त किया गया है, तो ऐसे माल को ऐसे अनियमित या अधिक क्रेडिट के उपयोग की सीमा तक शुल्क के भुगतान के बिना निकासी किया गया माना जाना चाहिए।

**स्पष्टीकरण :** इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ, चालू खाते में क्रेडिट की गई राशि के उपयोग द्वारा अदा किए गए शुल्क को सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अन्तर्गत सेनवेट क्रेडिट के उपयोग के अतिरिक्त अन्य तरीके से शुल्क के भुगतान के रूप में लिया जाएगा।

2.1 (1) उपर्युक्त पैराग्राफ 2 में अन्तर्निहित किसी प्रावधान के होते हुए भी, विनिर्माता के पास उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दरों का लाभ न लेने तथा इस अधिसूचना के तहत उस के द्वारा विनिर्मित और निकासी किए गए किसी माल के संबंध में वास्तविक मूल्य वृद्धि का प्रतिनिधित्व करने वाली किसी विशेष दर के निर्धारण हेतु विनिर्माता के ऐसे माल के संबंध में आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादशुल्क, जैसा भी मामला हो, के समक्ष आवेदन करने का विकल्प प्राप्त है, जहां ऐसे माल के संबंध में विनिर्माता यह देखता है कि उक्त माल के उत्पादन या विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्री या संघटकों पर मूल्य परिवर्धन का अनुपात उक्त वस्तुओं के मूल्य के चार बट्टा पाँच भाग की तुलना में उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दर से अधिक (प्रतिशत में अभिव्यक्त) है। उक्त प्रयोजनार्थ, विनिर्माता किसी वित्तीय वर्ष के आरंभ होने के साठ दिनों के भीतर माल के उत्पादन या विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों या संघटकों के अनुपात सहित सभी प्रासंगिक तथ्यों को बताते हुए ऐसी विशेष दर के निर्धारण हेतु आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, को लिखित में आवेदन प्रस्तुत करेगा ;

बशर्ते कि आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, यदि वे इस बात से संतुष्ट हैं कि विनिर्माता को उक्त समय के भीतर पर्याप्त कारणों से आवेदन करने से रोका गया था, तो वे ऐसे विनिर्माता को तीस दिनों की और अवधि के भीतर ऐसा आवेदन करने के लिए अनुमति प्रदान कर सकते हैं ;

बशर्ते यह भी कि विनिर्माता अपने सांविधि लेखा परीक्षक से प्रमाणपत्र द्वारा किसी विशेष दर के लिए अपने दावे का समर्थन कर सकता है, जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष के लिए युनिट की लेखा परीक्षित बैलेंसशीट पर के आधार पर, उस माल के मामले में, जिसके लिए दावा किया गया है, मूल्य परिवर्धन का अनुमान अन्तर्निहित है।

(2) उपर्युक्त के संबंध में आवेदन की प्राप्ति पर आयुक्त, केन्द्रीय उत्पादशुल्क या आयुक्त सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, ऐसी जांच पड़ताल करने या किए जाने के लिए प्रेरित करने के बाद, जैसा भी वे उचित समझें, ऐसे आवेदन के छह महीने की अवधि के भीतर विशेष दर के निर्धारण की अनुमति प्रदान कर सकते हैं।

(3) जहां विनिर्माता यह इच्छा रखता है कि विशिष्ट दर निर्धारित किए जाने तक उसे अस्थायी रूप से वापसी स्वीकृत की जाए, वहां वह आवेदन करते समय, कॉलम (3) में विनिर्दिष्ट तथा उक्त पहली अनुसूची के अध्याय में आने वाले माल के विवरण जैसा कि उक्त सारणी के कॉलम (2) में तदनुसूची प्रविष्टि में निहित है, के लिए उपर्युक्त पैराग्राफ 2 क में सारणी के कॉलम (4) में निर्दिष्टित दर पर अस्थायी वापसी की मंजूरी के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, को लिखित में आवेदन कर सकता है, तथा विशिष्ट दर को अंतिम रूप दिए जाने पर ऐसी विशिष्ट दर के निर्धारण के आगामी माह में विनिर्माता को स्वीकार्य परवर्ती वापसियों में आवश्यक समायोजन किए जाएं ;

(4) जहां केन्द्र सरकार इसे ऐसा करना आवश्यक समझती हो, वहां वह

- (क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, के द्वारा उपर्युक्त उप-पैराग्राफ (2) के तहत निर्धारित वापसी की राशि अथवा विशिष्ट दर को लागू कर सकती है : अथवा
- (ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, को इस तरह निर्धारित किए गए दर को वापस लेने के लिए निदेश दे सकती है ।

स्पष्टीकरण : इस पैराग्राफ के प्रयोजनार्थ, किसी माल के संबंध में मूल्य संबंधन को निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के वित्तीय अभिलेखों के आधार पर आकलित किया जाएगा :

- (i) माल पर प्रदत्त कथित माल का बिक्री मूल्य जिसमें उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर तथा अन्य अप्रत्यक्ष कर, यदि कोई हों, शामिल न हो ;
- (ii) घटा : उपभुक्त माल में से कच्ची सामग्रियों एवं पैकिंग सामग्रियों की लागत ;
- (iii) घटा : उपभुक्त ईंधन की लागत, यदि सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के तहत निवेश क्रेडिट के लिए पात्र हो ;
- (iv) जमा : सम्पत्ति इकाई की सूची के रूप में प्राप्य कथित माल का मूल्य जो वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर समाशोधित न हो ;
- (v) घटा : सम्पत्ति सूची के रूप में उपलब्ध कथित माल का मूल्य परन्तु जो उस विचाराधीन पूर्ववर्ती वर्ष की समाप्ति पर समाशोधित न हो ।

विशिष्ट दर उक्त माल पर वास्तविक मूल्य परिवर्धन तथा कथित माल का बिक्री मूल्य जिसमें उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर तथा अन्य अप्रत्यक्ष कर, यदि कोई हों, शामिल न हो, का अनुपात होगा ।

विशिष्ट दर उक्त माल पर वास्तविक मूल्य परिवर्धन तथा कथित माल का बिक्री मूल्य जिसमें उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर तथा अन्य अप्रत्यक्ष कर, यदि कोई हों, शामिल न हो, का अनुपात होगा ।

(5) विनिर्माता, उस तारीख से जिस तारीख का उपर्युक्त आवदेन आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क के सामने जैसा भी मामला हो, को दावा दायर किया गया था ; उसके द्वारा तैयार किए गए तथा निकासित उत्पाद शुल्कीय माल की समस्त निकासियों के संबंध में इस तरह निर्धारित विशेष दर पर वापसी का हकदार होगा ।

(6) जहां किसी विशिष्ट दर को इस तरह निर्धारित किया जाता है, वहां उस माह में देय वापसी इस तरह निर्धारित किए गए दर पर ऐसे उत्पाद शुल्कीय माल पर देय कुल शुल्क के प्रतिशत के रूप में आकलित राशि के बराबर होगी ;

बशर्ते कि वापसी, सेनवेट क्रेडिट के उपयोग से भिन्न ऐसे माल पर प्रदत्त शुल्क राशि से अधिक नहीं होगी ।'

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2008 से प्रभावी होगी ।

[फा. सं. 334/1/2008-टी.आर.यू.]

एस. बजाज, अवर सचिव



**टिप्पणी :—**मूल अधिसूचना सं. 57/2002-कें.उ.शु. दिनांक 14 नवम्बर, 2002 को भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 14 नवम्बर, 2002 की सा. का. नि. सं. 765 (अ) के तहत प्रकाशित किया गया था और उसमें अंतिम संशोधन भारत के राजपत्र, असाधारण की अधिसूचना सं० 11/2004-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 29 जनवरी, 2004 के सा.का.नि. 84 (अ), तारीख 29 जनवरी, 2004 द्वारा किया गया था।

### NOTIFICATION

New Delhi, the 27th March, 2008

No. 22/2008-Central Excise

**G.S.R. 227(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textile and Textile Articles) Act, 1978, (40 of 1978) the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 57/2002-Central Excise, dated the 14<sup>th</sup> November, 2002 which was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 765 (E) dated the 14<sup>th</sup> November, 2002, namely:-

In the said notification,-

- I. In the preamble, for the words and figures, "to the amount of duty paid by the manufacturer of goods other than the amount of duty paid by utilization of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002", the words "to the duty payable on value addition undertaken in the manufacture of the said goods by the said unit" shall be substituted;
  - II. for paragraphs 1A, 2 and 2A the following shall be substituted, namely:-
2. The duty payable on value addition shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on the said excisable goods of the description specified in column (3) of the Table below (hereinafter referred to as the said Table) and falling within the Chapter of the said First Schedule as are given in the corresponding entry in column (2) of the said Table, at the rates specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table:

TABLE

S.No.	Chapter of the First Schedule	Description of goods	Rate
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	29	All goods	29
2.	30	All goods	56

1139G1/08—9

3.	33	All goods	56
4.	34	All goods	38
5.	38	All goods	34
6.	39	All goods	26
7.	40	Tyres, tubes and flaps	41
8.	72 or 73	All goods	39
9.	74	All goods	15
10.	76	All goods	36
11.	85	Electric motors and generators, electric generating sets and parts thereof	31
12.	Any chapter	Goods other than those mentioned above	36:

Provided that where the duty payable on value addition exceeds the duty paid by the manufacturer on the said excisable goods, other than the amount paid by utilization of CENVAT credit during the month, the duty payable on value addition, shall be deemed to be equal to the duty so paid other than by CENVAT credit.

2A In cases where all the goods produced by a manufacturer are eligible for exemption under this notification, the exemption contained in this notification shall be subject to the condition that the manufacturer first utilizes whole of the CENVAT credit available to him on the last day of the month under consideration for payment of duty on goods cleared during such month and pays only the balance amount in cash.

2B The exemption contained in this notification shall be given effect to in the following manner, namely:-

(a) the manufacturer shall submit a statement of the total duty paid and that paid by utilization of CENVAT credit, on each category of goods specified in the said Table and cleared under this notification, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 7<sup>th</sup> of the next month in which the duty has been paid;

(b) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification as may be deemed necessary, shall refund the duty payable on value addition, computed in the manner as specified in paragraph 2 to the manufacturer by the 15<sup>th</sup> of the month following the one in which the statement as at clause (a) above has been submitted.

2C Notwithstanding anything contained in sub-paragraph 2B above,-

- (a) the manufacturer at his own option, may take credit of the amount calculated in the manner specified in paragraph 2 in his account current, maintained in terms of the Excise Manual of Supplementary Instructions issued by the Central Board of Excise and Customs. Such amount credited in the account current may be utilized by the manufacturer for payment of duty, in the manner specified under rule 8 of the Central Excise Rules, 2004, in subsequent months, and such payment shall be deemed to be payment in cash;
- (b) the credit of the refund amount may be taken by the manufacturer in his account current, by the 7<sup>th</sup> of the month following the month under consideration;
- (c) a manufacturer who intends to avail the option under clause (a) shall exercise his option in writing for availing such option before effecting the first clearance in any financial year and such option shall be effective from the date of exercise of the option and shall not be withdrawn during the remaining part of the financial year;
- (d) the manufacturer shall submit a statement of the total duty payable as well as the duty paid by utilization of CENVAT credit or otherwise and the credit taken as per clause (a), on each category of goods manufactured and cleared under the notification and specified in the said Table, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 15<sup>th</sup> of the month in which the credit has been so taken;
- (e) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification, as may be deemed necessary, shall determine the amount correctly refundable to the manufacturer and intimate to the manufacturer by the 15th day of the next month to the month in which the statement under clause (d) has been submitted. In case the credit taken by the manufacturer is in excess of the amount determined, the manufacturer shall, within five days from the receipt of the intimation, reverse the said excess credit from the account current maintained by him. In case, the credit taken by the manufacturer is less than the amount of refund determined, the manufacturer shall be eligible to take credit of the balance amount;

(f) in case the manufacturer fails to comply with the provisions of clauses (a) to (e), he shall forfeit the option, to take credit of the amount calculated in the manner specified in sub-paragraph 2 in his account current on his own, as provided for in clauses (a) to (c);

(g) the amount of the credit availed irregularly or availed of in excess of the amount determined correctly refundable under clause (e) and not reversed by the manufacturer within the period specified therein, shall be recoverable as if it is a recovery of duty of excise erroneously refunded. In case such irregular or excess credit is utilised for payment of excise duty on clearances of excisable goods, the said goods shall be considered to have been cleared without payment of duty to the extent of utilisation of such irregular or excess credit.

*Explanation.*—For the purposes of this paragraph, duty paid by utilisation of the amount credited in the account current, shall be taken as payment of duty by way other than utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2004.

- 2.1 (1) Notwithstanding anything contained in paragraph 2, the manufacturer shall have the option not to avail the rates specified in the said Table and apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, having jurisdiction over the manufacturing unit of the manufacturer for fixation of a special rate representing the actual value addition in respect of any goods manufactured and cleared under this notification, if the manufacturer finds that four-fifths of the ratio of actual value addition in the production or manufacture of the said goods to the value of the said goods, is more than the rate specified in the said Table expressed as a percentage. For the said purpose, the manufacturer may, within sixty days from the beginning of a financial year, make an application in writing to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, for determination of such special rate, stating all relevant facts including the proportion in which the materials or components are used in the production or manufacture of goods:

Provided that the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise may, if he is satisfied that the manufacturer was prevented by sufficient cause from making the application within the aforesaid time, allow such manufacturer to make the application within a further period of thirty days:

Provided further that the manufacturer supports his claim for a special rate with a certificate from his statutory auditor containing an estimate of value addition in the case of goods for which a claim is made, based on the audited balance sheet of the unit, for the preceding financial year;

(2) On receipt of the application referred to in sub-paragraph (1), the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, after making or causing to be made such inquiry as he deems fit, shall fix the special rate within a period of six months of such application;

(3) Where the manufacturer desires that he may be granted refund provisionally till the time the special rate is fixed, he may, while making the application, apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, in writing for grant of provisional refund at the rate specified in column (4) of the said Table for the goods of description specified in column (3) of the said Table and falling in Chapter of the First Schedule of the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) as in corresponding entry in column (2) of the said Table, and on finalization of the special rate, necessary adjustments be made in the subsequent refunds admissible to the manufacturer in the month following the fixation of such special rate.

(4) Where the Central Government considers it necessary so to do, it may-

(a) revoke the special rate or amount of refund as determined under sub-paragraph (2) by the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, or

(b) direct the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, to withdraw the rate so fixed.

*Explanation:* For the purpose of this paragraph, the actual value addition in respect of said goods shall be calculated on the basis of the financial records of the preceding financial year, taking into account the following:

- (i) Sale value<sup>46</sup> of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods;
- (ii) Less: Cost of raw materials and packing material consumed in the said goods;
- (iii) Less: Cost of fuel consumed if eligible for input credit under CENVAT Credit Rules, 2004;
- (iv) Plus: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year;

- (v) Less: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year preceding that under consideration.

Special rate would be the ratio of actual value addition in the production or manufacture of the said goods to the sale value of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods.

(5) The manufacturer shall be entitled to refund at the special rate fixed under sub-paragraph (2) in respect of all clearances of excisable goods manufactured and cleared under this notification with effect from the date on which the application referred to at sub-paragraph (1) was filed with the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Central Excise and Customs, as the case may be.

(6) Where a special rate is fixed under sub-paragraph (2), the refund payable in a month shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on such excisable goods, at the rate so fixed:

Provided that the refund shall not exceed the amount of duty paid on such goods, other than by utilization of CENVAT credit.'

2. This notification shall come into force with effect from the 1<sup>st</sup> day of April, 2008.

[F.No. 334/1/2008-TRU]

S. BAJAJ, Under Secy.

**Note:—**The principal notification No. 57/2002-Central Excise, dated 14<sup>th</sup> November, 2002 was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 765 (E), dated the 14<sup>th</sup> November, 2002 and was last amended vide notification no. 11/2004-Central Excise, dated 29<sup>th</sup> January, 2004 published vide number G.S.R. 84 (E), dated the 29<sup>th</sup> January, 2004.

#### अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मार्च, 2008

सं. 23/2008-के.उ.शु.

**सा.का.नि. 228(अ).**—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (टैक्सटाइल और टैक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है एतद्द्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 71/2003-के.उ.शु. दिनांक 9 सितम्बर, 2003 भारत के असाधारण राजपत्र में सा.का.नि. संख्या 717(अ), दिनांक 9 सितम्बर, 2003 में प्रकाशित किया गया था, में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

उपर्युक्त अधिसूचना में,

(i) प्रस्तावना में 'सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अंतर्गत सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा किए गए शुल्क की राशि के अलावा माल के विनिर्माता द्वारा अदा किए गए शुल्क की राशि शब्दों के लिए 'उपर्युक्त यूनिट द्वारा उक्त माल के विनिर्माण में लिए गए मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(ii) पैराग्राफ 2, 3 और 4 के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात :-

'2. इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' निम्न तालिका के कॉलम (3) में निर्दिष्ट विवरण के उपरोक्त उत्पाद शुल्कीय माल पर देय कुल शुल्क के प्रतिशत के रूप में और उपरोक्त पहली अनुसूची के अध्याय के अंतर्गत आने वाले जो उपरोक्त तालिका के कॉलम (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में दिए गए हैं, उपर्युक्त तालिका के कॉलम (4) में तत्स्थानी प्रविष्टि में निर्दिष्ट दरों पर परिकलित राशि के बराबर होगा :-

तालिका

क्रमांक	पहली अनुसूची का अध्याय	माल का विवरण	दर
1.	2.	3.	4.
1.	29	सभी माल	29
2.	30	सभी माल	56
3.	33	सभी माल	56
4.	34	सभी माल	38
5.	38	सभी माल	34
6.	39	सभी माल	26
7.	40	टॉयर, ट्यूबस और फलेपस्	41
8.	72 अथवा 73	सभी माल	39
9.	74	सभी माल	15
10.	76	सभी माल	36
11.	85	इलेक्ट्रिक मोटर्स और जनरेटर्स, विद्युत उत्पाद करने वाला सेट और उसके पुर्जे	31
12.	कोई अध्याय	उपर्युक्त मदों के अलावा अन्य कोई मद	36

बशर्ते कि जहां 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' उस माह के दौरान सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा की गई राशि के अलावा उपर्युक्त उत्पाद शुल्कीय माल पर निर्माता द्वारा अदा किए गए शुल्क से अधिक होता है, तब 'मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क' सेनवेट क्रेडिट के अलावा अदा किए गए शुल्क के बराबर समझा जाएगा ।

2क. उन मामलों में, जहां विनिर्माता द्वारा उत्पादित सभी माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट के लिए पात्र हैं, इस अधिसूचना में उल्लिखित छूट इस शर्त के अधीन होगी कि निर्माता ऐसे माह के दौरान स्वीकृत माल पर शुल्क के भुगतान के लिए विचारधीन माह के आखिर दिन को उनको उपलब्ध पूरे सेनवेट क्रेडिट का उपयोग करेगा और केवल शेष राशि का भुगतान नकद रूप से करता है ।

2ख. इस अधिसूचना में उल्लिखित छूट निम्नलिखित रूप से प्रभावी होगी अर्थात् :-

(क) निर्माता, इस तालिका में विनिर्दिष्ट माल और इस अधिसूचना के अंतर्गत स्वीकृत माल पर सेनवेट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अदा किए गए कुल शुल्क के विवरण सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को, जैसा भी मामला हो, अगले माह की 7 तारीख तक प्रस्तुत करेंगे, जिसमें शुल्क का भुगतान किया गया है।

(ख) सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, के.उ.शु. जैसा भी मामला होगा, ऐसे सत्यापन के पश्चात् जो कि आवश्यक समझा गया है, उपरोक्त पैराग्राफ (2) में विनिर्दिष्ट पद्धति से परिकलित किए गए मूल्य संवर्धन पर देय शुल्क निर्माता को उस माह, जिसमें उपर्युक्त पैराग्राफ (क) पर विवरण प्रस्तुत किया गया है, के पश्चात् आने वाले माह की 15 तारीख तक वापिस करेंगे।

2ग. उपर्युक्त उप-पैरा 2ख में उल्लिखित किसी भी बात के होते हुए :-

(क) निर्माता, अपने विकल्प पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क द्वारा जारी किए गए अनुपूरक अनुदेशों के उत्पाद शुल्क नियमावली के संदर्भ में रखे गए उनके चालू खाते में पैराग्राफ 2 में विनिर्धारित पद्धति से परिकलित राशि का क्रेडिट ले सकता है। तदवर्ती महीनों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2004 के नियम 8 के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट तरीके से शुल्क के भुगतान के लिए विनिर्माता द्वारा चालू खाते में क्रेडिट की गई ऐसी राशि का उपयोग किया जा सकता है और ऐसे भुगतान को नकद भुगतान माना जाना चाहिए।

(ख) विचाराधीन माह के बाद तदवर्ती माह की 7 तारीख तक विनिर्माता द्वारा उस के चालू खाते में वापिसी राशि के क्रेडिट को लिया जा सकता है ;

(ग) कोई विनिर्माता जो खण्ड (क) के अन्तर्गत विकल्प लेना चाहता है वह किसी वित्तीय वर्ष में पहली निकासी करने से पहले ऐसे विकल्प को प्राप्त करने के लिए लिखित में अपने विकल्प देगा और ऐसा विकल्प उस के लागू होने की तारीख से प्रभावी होगा और इसे वित्तीय वर्ष के शेष भाग के दौरान वापिस नहीं लिया जा सकेगा ;

(घ) विनिर्माता, जिस महीने में उस ने शुल्क अदा किया है, उसके अगले महीने की सात तारीख तक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक आयुक्त या उपायुक्त को जैसा भी मामला हो क्रमशः उस अधिसूचना के तहत निकासी किए गए तथा सारणी में विनिर्दिष्ट माल की प्रत्येक श्रेणी पर देय कुल शुल्क तथा सेनवेट क्रेडिट का उपयोग करके अदा किए गए या नकद में अदा किए गए शुल्क का एक विवरण प्रस्तुत करेगा;

(ङ.) सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या उपायुक्त केन्द्रीय उत्पादशुल्क, जैसा भी मामला हो, ऐसी जांच पड़ताल के बाद जैसा भी जरूरी समझा जाए, विनिर्माता को सही रूप से वापसी योग्य राशि को निर्धारित करेगा तथा विचाराधीन माह के अगले माह के 15वें दिन तक विनिर्माता को इस के बारे में सूचित करेगा। यदि विनिर्माता द्वारा लिया गया क्रेडिट निर्धारित राशि से अधिक है तो विनिर्माता उक्त सूचना की प्राप्ति के पांच दिन के भीतर उस के द्वारा अनुरक्षित उक्त चालू खाते से उस अधिक क्रेडिट को वापस कर देगा। यदि, विनिर्माता द्वारा लिया गया क्रेडिट निर्धारित वापसी की राशि की तुलना में कम है तो विनिर्माता बकाया राशि का क्रेडिट लेने के लिए पात्र होगा ;

(च) यदि विनिर्माता खंड (क) से (ङ.) तक के उपबंधों का अनुपालन करने में विफल रहता है तो वह स्वयं ही अपने चालू खाते में उप-पैराग्राफ 2 क में निर्धारित तरीके से परिकलित राशि का क्रेडिट लेने के विकल्प से वंचित हो जाएगा, जैसाकि खण्ड (क) से (ग) में व्यवस्था की गई है ;



(छ) यदि क्रेडिट की राशि अनियमित रूप से प्राप्त की गई है या खंड (ड.) के तहत सही रूप से निर्धारित की गई वापसी योग्य राशि से आधिक्य में प्राप्त की गयी है तथा उस खंड में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर विनिर्माता द्वारा प्रतिवर्तित नहीं की गई है, तो यह वसूली योग्य होगी जैसे कि यह त्रुटिपूर्ण रूप से वापस किए गए उत्पाद शुल्क की वसूली हो। यदि ऐसी अनियमित या अधिक क्रेडिट को उत्पाद शुल्क वस्तुओं की निकासी पर उत्पाद शुल्क के भुगतान के लिए प्रयुक्त किया गया है, तो ऐसे माल को ऐसे अनियमित या अधिक क्रेडिट के उपयोग की सीमा तक शुल्क के भुगतान के बिना निकासी किया गया माना जाना चाहिए।

**स्पष्टीकरण :** इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ, चालू खाते में क्रेडिट की गई राशि के उपयोग द्वारा अदा किए गए शुल्क को सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अन्तर्गत सेनवेट क्रेडिट के उपयोग के अतिरिक्त अन्य तरीके से शुल्क के भुगतान के रूप में लिया जाएगा।

3. (1) उपर्युक्त पैराग्राफ 2 में अन्तर्निहित किसी प्रावधान के होते हुए भी, विनिर्माता के पास उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दरों का लाभ न लेने तथा इस अधिसूचना के तहत उस के द्वारा विनिर्मित और निकासी किए गए किसी माल के संबंध में वास्तविक मूल्य वृद्धि का प्रतिनिधित्व करने वाली किसी विशेष दर के निर्धारण हेतु विनिर्माता के ऐसे माल के संबंध में आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादशुल्क, जैसा भी मामला हो, के समक्ष आवेदन करने का विकल्प प्राप्त है, जहां ऐसे माल के संबंध में विनिर्माता यह देखता है कि उक्त माल के उत्पादन या विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्री या संघटकों पर मूल्य परिवर्धन का अनुपात उक्त वस्तुओं के मूल्य के चार बड़ा पाँच भाग की तुलना में उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दर से अधिक (प्रतिशत में अभिव्यक्त) है। उक्त प्रयोजनार्थ, विनिर्माता किसी वित्तीय वर्ष के आरंभ होने के साठ दिनों के भीतर माल के उत्पादन या विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों या संघटकों के अनुपात सहित सभी प्रासंगिक तथ्यों को बताते हुए ऐसी विशेष दर के निर्धारण हेतु आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, को लिखित में आवेदन प्रस्तुत करेगा ;

बशर्ते कि आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या आयुक्त, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, यदि वे इस बात से संतुष्ट हैं कि विनिर्माता को उक्त समय के भीतर पर्याप्त कारणों से आवेदन करने से रोका गया था, तो वे ऐसे विनिर्माता को तीस दिनों की और अवधि के भीतर ऐसा आवेदन करने के लिए अनुमति प्रदान कर सकते हैं ;

बशर्ते यह भी कि विनिर्माता अपने सांविधि लेखा परीक्षक से प्रमाणपत्र द्वारा किसी विशेष दर के लिए अपने दावे का समर्थन कर सकता है, जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष के लिए युनिट की लेखा परीक्षित बैलेंसशीट पर के आधार पर, उस माल के मामले में, जिसके लिए दावा किया गया है, मूल्य परिवर्धन का अनुमान अन्तर्निहित है।

(2) उपर्युक्त के संबंध में आवेदन की प्राप्ति पर आयुक्त, केन्द्रीय उत्पादशुल्क या आयुक्त सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा भी मामला हो, ऐसी जांच पड़ताल करने या किए जाने के लिए प्रेरित करने के बाद, जैसा भी वे उचित समझें, ऐसे आवेदन के छह महीने की अवधि के भीतर विशेष दर के निर्धारण की अनुमति प्रदान कर सकते हैं।

(3) जहां विनिर्माता यह इच्छा रखता है कि विशिष्ट दर निर्धारित किए जाने तक उसे अस्थायी रूप से वापसी स्वीकृत की जाए, वहां वह आवेदन करते समय, कॉलम (3) में विनिर्दिष्ट तथा उक्त पहली अनुसूची के अध्याय में आने वाले माल के विवरण जैसा कि उक्त सारणी के कॉलम (2) में तदनुसूची प्रविष्टि में निहित है, के लिए उपर्युक्त पैराग्राफ 2 क में सारणी के कॉलम (4) में निर्दिष्ट दर पर अस्थायी वापसी की मंजूरी के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, को लिखित में आवेदन कर सकता है, तथा विशिष्ट दर को अंतिम रूप दिए जाने पर ऐसी विशिष्ट दर के निर्धारण के आगामी माह में विनिर्माता को स्वीकार्य परवर्ती वापसियों में आवश्यक समायोजन किए जाएं ;

(4) जहां केन्द्र सरकार इसे ऐसा करना आवश्यक समझती हो, वहां वह

(क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, के द्वारा उपर्युक्त उप-पैराग्राफ (2) के तहत निर्धारित वापसी की राशि अथवा विशिष्ट दर को लागू कर सकती है ; अथवा

(ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा भी मामला हो, को इस तरह निर्धारित किए गए दर को वापस लेने के लिए निदेश दे सकती है ।

**स्पष्टीकरण :** इस पैराग्राफ के प्रयोजनार्थ, किसी माल के संबंध में मूल्य संबंधन को निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के वित्तीय अभिलेखों के आधार पर आकलित किया जाएगा ;

(i) माल पर प्रदत्त कथित माल का बिक्री मूल्य जिसमें उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर तथा अन्य अप्रत्यक्ष कर, यदि कोई हों, शामिल न हो ;

(ii) घटा : उपभुक्त माल में से कच्ची सामग्रियों एवं पैकिंग सामग्रियों की लागत ;

(iii) घटा : उपभुक्त ईंधन की लागत, यदि सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के तहत निवेश क्रेडिट के लिए पात्र हो ;

(iv) जमा : सम्पत्ति इकाई की सूची के रूप में प्राप्य कथित माल का मूल्य जो वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर समाशोधित न हो ;

(v) घटा : सम्पत्ति सूची के रूप में उपलब्ध कथित माल का मूल्य परन्तु जो उस विचाराधीन पूर्ववर्ती वर्ष की समाप्ति पर समाशोधित न हो ।

विशिष्ट दर उक्त माल पर वास्तविक मूल्य परिवर्धन तथा कथित माल का बिक्री मूल्य जिसमें उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर तथा अन्य अप्रत्यक्ष कर, यदि कोई हों, शामिल न हो, का अनुपात होगा ;

(5) विनिर्माता, उस तारीख से जिस तारीख का उपर्युक्त आवदेन आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क के सामने जैसा भी मामला हो, को दावा दायर किया गया था ; उसके द्वारा तैयार किए गए तथा निकासित उत्पाद शुल्कीय माल की समस्त निकासियों के संबंध में इस तरह निर्धारित विशेष दर पर वापसी का हकदार होगा ।

(6) जहां किसी विशिष्ट दर को इस तरह निर्धारित किया जाता है, वहां उस माह में देय वापसी इस तरह निर्धारित किए गए दर पर ऐसे उत्पाद शुल्कीय माल पर देय कुल शुल्क के प्रतिशत के रूप में आकलित राशि के बराबर होगी ;

बशर्ते कि वापसी, सेनवेट क्रेडिट के उपयोग से भिन्न ऐसे माल पर प्रदत्त शुल्क राशि से अधिक नहीं होगी ।'

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2008 से प्रभावी होगी ।

[फा सं. 334/1/2008-टी.आर.शु.]

एस. ब. राज, अवर सचिव

**टिप्पण :** मूल अधिसूचना सं. 71/2003-के.उ.शु. दिनांक 9 सितम्बर, 2003 को भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 9 सितम्बर, 2003 की सा. का. नि. सं. 717 (अ) के तहत प्रकाशित किया गया था और उसमें अंतिम संशोधन भारत के राजपत्र, असाधारण की अधिसूचना सं० 21/2007 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 25 अप्रैल, 2007 के सा.का.नि. 308 (अ), तारीख 25 अप्रैल, 2007 द्वारा किया गया था ।

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 27th March, 2008

**No. 23/2008-Central Excise**

**G.S.R. 228(E).**— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textile and Textile Articles) Act, 1978, (40 of 1978) the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 71/2003-Central Excise, dated the 9<sup>th</sup> September, 2003 which was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 717 (E) dated the 9<sup>th</sup> September, 2003 namely:-

In the said notification,-

- I. in the preamble, for the words and figures, "to the amount of duty paid by the manufacturer of the said goods other than the amount of duty paid by utilization of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002", the words "to the duty payable on value addition undertaken in the manufacture of the said goods by the said unit" shall be substituted;

- II. for paragraphs 2, 3 and 4 the following shall be substituted, namely:-

2. The duty payable on value addition shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on the said excisable goods of the description specified in column (3) of the Table below (hereinafter referred to as the said Table) and falling within the Chapter of the said First Schedule as are given in the corresponding entry in column (2) of the said Table, at the rates specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table:

**TABLE**

S.No.	Chapter of the First Schedule	Description of goods	Rate
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	29	All goods	29

2.	30	All goods	56
3.	33	All goods	56
4.	34	All goods	38
5.	38	All goods	34
6.	39	All goods	26
7.	40	Tyres, tubes and flaps	41
8.	72 or 73	All goods	39
9.	74	All goods	15
10.	76	All goods	36
11.	85	Electric motors and generators, electric generating sets and parts thereof	31
12.	Any chapter	Goods other than those mentioned above	36

Provided that where the duty payable on value addition exceeds the duty paid by the manufacturer on the said excisable goods, other than the amount paid by utilization of CENVAT credit during the month, the duty payable on value addition, shall be deemed to be equal to the duty so paid other than by CENVAT credit.

2A In cases where all the goods produced by a manufacturer are eligible for exemption under this notification, the exemption contained in this notification shall be subject to the condition that the manufacturer first utilizes whole of the CENVAT credit available to him on the last day of the month under consideration for payment of duty on goods cleared during such month and pays only the balance amount in cash.

2B The exemption contained in this notification shall be given effect to in the following manner, namely:-

(a) the manufacturer shall submit a statement of the total duty paid and that paid by utilization of CENVAT credit, on each category of goods specified in the said Table and cleared under this notification, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 7<sup>th</sup> of the next month in which the duty has been paid;

(b) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification as may be deemed necessary, shall refund the duty payable on value addition, computed in the manner as specified in paragraph 2 to the manufacturer by the 15<sup>th</sup> of the month following the one in which the statement as at clause (a) above has been submitted.

2C Notwithstanding anything contained in sub-paragraph 2B above,-

- (a) the manufacturer at his own option, may take credit of the amount calculated in the manner specified in paragraph 2 in his account current, maintained in terms of the Excise Manual of Supplementary Instructions issued by the Central Board of Excise and Customs. Such amount credited in the account current may be utilized by the manufacturer for payment of duty, in the manner specified under rule 8 of the Central Excise Rules, 2004, in subsequent months, and such payment shall be deemed to be payment in cash;
- (b) the credit of the refund amount may be taken by the manufacturer in his account current, by the 7<sup>th</sup> of the month following the month under consideration;
- (c) a manufacturer who intends to avail the option under clause (a) shall exercise his option in writing for availing such option before effecting the first clearance in any financial year and such option shall be effective from the date of exercise of the option and shall not be withdrawn during the remaining part of the financial year;
- (d) the manufacturer shall submit a statement of the total duty payable as well as the duty paid by utilization of CENVAT credit or otherwise and the credit taken as per clause (a), on each category of goods manufactured and cleared under the notification and specified in the said Table, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 15<sup>th</sup> of the month in which the credit has been so taken;
- (e) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification, as may be deemed necessary, shall determine the amount correctly refundable to the manufacturer and intimate to the manufacturer by the 15<sup>th</sup> day of the next month to the month in which the statement under clause (d) has been submitted. In case the credit taken by the manufacturer is in excess of the amount determined, the manufacturer shall, within five days from the receipt of the intimation, reverse the said excess credit from the account current maintained by him. In case, the credit taken by the manufacturer is less than the amount of refund determined, the manufacturer shall be eligible to take credit of the balance amount;

(f) in case the manufacturer fails to comply with the provisions of clauses (a) to (e), he shall forfeit the option, to take credit of the amount calculated in the manner specified in subparagraph 2 in his account current on his own, as provided for in clauses (a) to (c);

(g) the amount of the credit availed irregularly or availed of in excess of the amount determined correctly refundable under clause (e) and not reversed by the manufacturer within the period specified therein, shall be recoverable as if it is a recovery of duty of excise erroneously refunded. In case such irregular or excess credit is utilised for payment of excise duty on clearances of excisable goods, the said goods shall be considered to have been cleared without payment of duty to the extent of utilisation of such irregular or excess credit.

*Explanation.*—For the purposes of this paragraph, duty paid by utilisation of the amount credited in the account current, shall be taken as payment of duty by way other than utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2004.

3. (1) Notwithstanding anything contained in paragraph 2, the manufacturer shall have the option not to avail the rates specified in the said Table and apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, having jurisdiction over the manufacturing unit of the manufacturer for fixation of a special rate representing the actual value addition in respect of any goods manufactured and cleared under this notification, if the manufacturer finds that four-fifths of the ratio of actual value addition in the production or manufacture of the said goods to the value of the said goods, is more than the rate specified in the said Table expressed as a percentage. For the said purpose, the manufacturer may, within sixty days from the beginning of a financial year, make an application in writing to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, for determination of such special rate, stating all relevant facts including the proportion in which the materials or components are used in the production or manufacture of goods:

Provided that the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise may, if he is satisfied that the manufacturer was prevented by sufficient cause from making the application within the aforesaid time, allow such manufacturer to make the application within a further period of thirty days:

Provided further that the manufacturer supports his claim for a special rate with a certificate from his statutory auditor containing an estimate of value addition in the case of goods for which a claim is made, based on the audited balance sheet of the unit, for the preceding financial year;

(2) On receipt of the application referred to in sub-paragraph (1), the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, after making or causing to be made such inquiry as he deems fit, shall fix the special rate within a period of six months of such application;

(3) Where the manufacturer desires that he may be granted refund provisionally till the time the special rate is fixed, he may, while making the application, apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, in writing for grant of provisional refund at the rate specified in column (4) of the said Table for the goods of description specified in column (3) of the said Table and falling in Chapter of the First Schedule of the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) as in corresponding entry in column (2) of the said Table, and on finalization of the special rate, necessary adjustments be made in the subsequent refunds admissible to the manufacturer in the month following the fixation of such special rate.

(4) Where the Central Government considers it necessary so to do, it may-

(a) revoke the special rate or amount of refund as determined under sub-paragraph (2) by the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, or

(b) direct the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, to withdraw the rate so fixed.

*Explanation:* For the purpose of this paragraph, the actual value addition in respect of said goods shall be calculated on the basis of the financial records of the preceding financial year, taking into account the following:

- (i) Sale value of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods;
- (ii) Less: Cost of raw materials and packing material consumed in the said goods;
- (iii) Less: Cost of fuel consumed if eligible for input credit under CENVAT Credit Rules, 2004;
- (iv) Plus: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year;

- (v) Less: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year preceding that under consideration.

Special rate would be the ratio of actual value addition in the production or manufacture of the said goods to the sale value of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods.

(5) The manufacturer shall be entitled to refund at the special rate fixed under sub-paragraph (2) in respect of all clearances of excisable goods manufactured and cleared under this notification with effect from the date on which the application referred to at sub-paragraph (1) was filed with the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Central Excise and Customs, as the case may be.

(6) Where a special rate is fixed under sub-paragraph (2), the refund payable in a month shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on such excisable goods, at the rate so fixed:

Provided that the refund shall not exceed the amount of duty paid on such goods, other than by utilization of CENVAT credit.'

2. This notification shall come into force with effect from the 1<sup>st</sup> day of April, 2008.

[F.No. 334/1/2008-TRU]

[F. No. 334/1/2008-TRU]

S. BAJAJ, Under Secy.

**Note:-** The principal notification No. 71/2003-Central Excise, dated 9<sup>th</sup> September, 2003 was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 717 (E), dated the 9<sup>th</sup> September, 2003 and was last amended vide notification no.21/2007-Central Excise, dated 25<sup>th</sup> April, 2007 published vide number G.S.R. 308(E), dated the 25<sup>th</sup> April, 2007.